सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 296 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 8 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

ज्ञानवापी मामले में झटका, गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की याचिका खारिज

प्रयागराज। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट में यह याचिका राखी सिंह व अन्य की तरफ से दाखिल की गई थी। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सुनवाई की।

इस जनहित याचिका में मांग की गई थी कि श्रृंगार गौरी केस में जब तक वाराणसी जिला अदालत का फैसला नहीं आ जाता तब तक परिसर में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए और ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने का आदेश दिया जाए। जनहित याचिका में कहा गया था कि वाराणसी में श्री आदि विश्वेश्वर मंदिर (वर्तमान ज्ञानवापी परिसर) के सदियों पुराने अवशेषों को बचाना है। दावा किया गया था कि विवादित स्थल (सेटलमेंट प्लॉट नंबर 9130 वार्ड और दशाश्वमेघ वाराणसी) पर एक भव्य मंदिर हुआ करता था, जहां भगवान शिव ने स्वयं ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी।

हाथी का अटैक, दो टुकड़ों में बंटा शरीर, वन विभाग की चेतावनी के बाद भी गया था जंगल

जशपुर। जशपुर जिले में जंगल से लकड़ी लेने गए किसान को हाथियों ने पटक-पटककर मार डाला। हाथियों के हमले में ग्रामीण के शरीर के टुकड़े हो गए हैं। सबसे बड़ी बात ये है कि वन विभाग के लगातार चेतावनी देने के बाद भी लोग जंगल के अंदर जा रहे हैं और हाथियों के हमले में अपनी जान गंवा रहे हैं। मामला बगीचा वनपरिक्षेत्र के खंताडांड़ का है।

जानकारी के मुताबिक, खंताडांड़ गांव में अब्राहम तिर्की खेती का काम करता है। सोमवार को वो लकड़ियां लाने के लिए जंगल में जाने की बात पत्नी उर्सेला तिर्की से कही। जिस पर पत्नी ने उसे जंगल के अंदर जाने से मना किया। उसने कहा कि वन विभाग भी लगातार जंगल में नहीं जाने की चेतावनी जारी कर रहा है। पत्नी के समझाने के बावजूद अब्राहम नहीं माना और जंगल में लकड़ियां लाने के लिए चला गया। जंगल में अब्राहम का सामना हाथियों से हो गया। हाथियों ने उसे पटक-पटककर मारा और फिर उसके शरीर को कुचल दिया, जिससे उसके शव के टुकड़े हो गए। शव के हाथ-पैर भी अलग हो गए। जब पति काफी देर तक नहीं लौटा, तो पत्नी ने गांववालों को ये बात बताई। गांववालों ने जंगल में जाकर देखा, तो किसान की क्षत-विक्षत लाश दिखाई दी। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई।

नतीजे हासिल करना तो दूर, राष्ट्रीय दलों का खेल बिगाड़ने में भी कामयाब नहीं रहे तीसरे दल

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। राष्ट्रीय पार्टियों के बीच क्षेत्रीय दलों की मौजूदगी कम से कम दुर्ग जिले में तो असर दिखाने में कामयाब नहीं हो पाई है। 2013 में छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच और 2018 में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने पूरी दमदारी से चुनाव लड़ा था, लेकिन अपने पक्ष में नतीजे करना तो दूर, जीत-हार के अंतर को प्रभावित करने में भी ये दल सफल नहीं रहे। छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच का गठन भाजपा के खिलाफ हुआ था, लेकिन भाजपा का खेल बिगाड़ने में यह पार्टी 2013 में नाकाम रही। अब इस पार्टी का अस्तित्व ही लगभग खत्म हो चुका है। वहीं 2018 में कांग्रेस के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने ताल ठोंककर अपनी पार्टी को उतारा था। लेकिन वह भी तीसरा दल बनकर रह गई। जोगी कांग्रेस भी अब अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है। ऐसे में इस बार के विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस व भाजपा के बीच ही होना तय है।

2013 में स्वाभिमान मंच तो 2018 में जोगी कांग्रेस व बसपा गठबंधन था चुनाव मैदान में

आमतौर पर तीसरे दल की मौजूदगी वोटकटवा के रूप में मानी जाती है, जिससे जीत-हार का गणित गड़बड़ा जाता है। लेकिन दुर्ग जिले की 6 सीटों पर विगत दो चुनावों के नतीजे देखें तो तीसरे दलों ने सिर्फ अपनी उपस्थिति ही दर्ज कराई है। जीत हासिल करने या नतीजों को प्रभावित करने में वे असफल रहे हैं। 2013 में पाटन क्षेत्र में कांग्रेस ने भूपेश बघेल तो भाजपा ने विजय बघेल को उतारा था। छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच की ओर से दीनू साहू प्रत्याशी थे। इस चुनाव में भूपेश बघेल को 9,343 मतों से जीत मिली थी। जबकि मंच प्रत्याशी दीनू साहू को महज 4,639 मत ही मिले थे। यदि इन मतों को भाजपा को मिले वोटों से जोड़ दें तो स्पष्ट है कि स्वाभिमान मंच मैदान में नहीं होता तब भी भूपेश बघेल की जीत पक्की थी। जिले की इकलौती आरक्षित सीट अहिवारा में भाजपा ने राजमहंत सांवलाराम डाहरे को तो कांग्रेस ने अशोक डोंगरे को उतारा था। मंच से विमल कुमार बन्दे प्रत्याशी थे। जिन्हें कुल जमा 11,085 मत मिले थे। इस चुनाव में भाजपा के सांवलाराम डाहरे ने 31,676 मतों से बड़ी जीत दर्ज की। वैशाली नगर की बात करें तो 2013 में ही भाजपा से विद्यारतन भसीन तो कांग्रेस से भजनसिंह निरंकारी आमने-सामने थे। मंच से जानिसार अख्तर प्रत्याशी थे, जिन्हें कुल 8,700 वोट मिले थे। जबकि जीत-हार के बीच का आंकड़ा 24,448 मत थे। इसके विपरीत भिलाई नगर सीट पर 2013 में मतदाताओं ने तीसरे दल को पूरी तरह नकार दिया था। यहां तीसरे स्थान नोटा को मिला था। भाजपा से प्रेमप्रकाश पाण्डेय तो कांग्रेस से बीडी कुरैशी चुनाव मैदान में थे। इस चुनाव में प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने 17,106 मतों के अंतर से विजय हासिल की थी। नोटा को 3,390 तो स्वाभिमान मंच के सुशील पांडेय को 2,229 मत मिले थे।

दुर्ग शहर व ग्रामीण पर असर

बात यदि दुर्ग शहर विधानसभा क्षेत्र की करें तो यहां 2013 में कांग्रेस ने अपने पुराने प्रत्याशी अरूण कुमार वोरा को तो भाजपा ने हेमचंद यादव को उतारा था। अरूण वोरा ने यह चुनाव 5,621 मतों से जीता था। यह जिले की दूसरी सीट थी, जहां छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच के प्रत्याशी राजेन्द्र साहू को हार-जीत के अंतर से ज्यादा मत मिले थे। साहू ने इस चुनाव में 17,589 मत हासिल किए थे। हालांकि चुनाव के दौरान इस सीट पर स्वाभिमान मंच प्रत्याशी के चुप बैठने को भी राजनीतिक समीकरणों के साथ जोड़ा गया था। दुर्ग ग्रामीण की सीट पर भी कमोबेश ऐसा ही नजारा था। यहां भाजपा ने रमशिला साहू तो कांग्रेस ने प्रतिमा चंद्राकर को प्रत्याशी घोषित किया था। स्वाभिमान मंच से उर्वशी साहू प्रत्याशी थी। उर्वशी को इस चुनाव में कुल 20,938 मत मिले थे। जबकि जीत-हार का अंतर था - 2,979। जाहिर है कि दुर्ग शहर और ग्रामीण की इन सीटों से यदि स्वाभिमान मंच मैदान में न होता तो दोनों सीटों के नतीजे संभवत: बदल जाते।

जहां जोगी ने नहीं उतारा प्रत्याशी

2018 के चुनाव में छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच तो मैदान में नहीं था, लेकिन उसकी जगह तीसरे दल के रूप में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस चुनाव में कमोबेश वही हालात थे, जैसे 2013 में स्वाभिमान मंच के साथ थे। हालांकि पार्टी सुप्रीमो अजीत जोगी ने भिलाई नगर सीट पर खेल करते हुए यहां प्रत्याशी ही नहीं उतारा था। वहीं गठबंधन के चलते जिले की एक सीट अहिवारा बसपा के खाते में गई थी। यह दीगर बात है कि बसपा प्रत्याशी भी जोगी ने ही तय किया था। पाटन विधानसभा क्षेत्र की बात करें तो 2018 में यहां से भूपेश बघेल के सामने भाजपा ने मोतीलाल साहू को उतारा था। बघेल को एक बार फिर इस सीट पर 27,875 मतों से बड़ी जीत हासिल हुई थी। जोगी कांग्रेस से यहां शकुंतला साहू प्रत्याशी थीं, जिन्हें कुल 13,201 मत मिले थे। अहिवारा से शोभाराम बंजारे बतौर बसपा प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। कांग्रेस ने गुरू रूद्र कुमार तो भाजपा ने सांवलाराम डाहरे को टिकट दी थी। गुरू रूद्र कुमार को 31,687 मतों से विजयश्री हासिल हुई। बसपा के शोभाराम को महज 5,844 मत ही मिल पाए थे।

मध्यानी ने बनाया जमकर माहौल

दुर्ग शहर सीट पर 2018 में जोगी कांग्रेस से प्रताप मध्यानी को प्रत्याशी घोषित किया गया था। शहर में उन्हें लेकर बेहद उत्साह का माहौल था। दावा किया जाने लगा था कि मध्यानी शायद नतीजों का रूख मोड़ दें। हालांकि नतीजों में वे तीसरे नम्बर पर रहे, लेकिन जिले से तीसरे प्रत्याशी के रूप में उन्होंने सबसे ज्यादा वोट कबाड़े। इस चुनाव में कांग्रेस के अरूण वोरा ने 21,081 मतों से जीत हासिल की थी। जबकि प्रताप मध्यानी को कुल 20,634 वोट मिले थे। वैशाली नगर में जोगी कांग्रेस से मनोज कुमार पाण्डेय मैदान में थे, जिन्हें 10,696 वोट हासिल हुए। भाजपा के विद्यारतन भसीन ने यहां से एक बार फिर जीत दर्ज की। जीत का अंतर था - 18,080। भिलाई नगर जिले की ऐसी इकलौती सीट थी, जहां जोगी कांग्रेस व बसपा गठबंधन ने प्रत्याशी नहीं उतारा था। यहां सीधा मुकाबला कांग्रेस के देवेन्द्र यादव व भाजपा के प्रेमप्रकाश पाण्डेय के बीच था। देवेन्द्र यादव ने यहां से विगत चुनाव 2,849 मतों से जीता। इस जीत के साथ ही युवा नेता के रूप में उन्होंने पहली बार छत्तीसगढ़ विधानसभा में कदम रखा। दुर्ग ग्रामीण सीट की बात करें तो जोगी के प्रत्याशी के रूप में यहां डॉ बालमुकुंद देवांगन मैदान में थे। उन्हें कुल 11,485 मत हासिल हुए थे। जबकि कांग्रेस के ताम्रध्वज साहू ने यह चुनाव भाजपा के जागेश्वर साहू से 27,112 मतों से जीता था।

सीएम भूपेश बघेल बोले: अब लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच पर बुलंद होगी राहुल गांधी की आवाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल खुशी जताई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि अब लोकतंत्र के सबसे बड़े मंच पर राहुल गांधी की आवाज बुलंद होगी। लोग उन्हें सुनना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से वैसे तो कोई आशंका नहीं थी, लेकिन जिस तरह मोदी सरकार या लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सदस्यता खत्म कराने और उनका बंगला खाली करने में तत्परता दिखाई थी, वैसी तत्परता नहीं दिखाई गई। राहुल गांधी ने केंद्र से सवाल क्या पूछ लिया पूरी बीजेपी सरकार ने उन्हें फंसाने के लिए ताकत झोंक दी थी। सीएम ने कहा कि उम्मीद की जा रही थी कि लेकिन जैसे-जैसे घड़ी की सुइयां की कांटे आगे बढ़ रही थीं, वैसे-वैसे कांग्रेसियों की धड़कनें बढ़ती जा रही थी, लेकिन अब वह अध्याय खत्म हो गया है।

13 अगस्त को छत्तीसगढ़ आएंगे मल्लिकार्जुन खड़गे, 'भरोसे का सम्मेलन' में होंगे शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। प्रदेश में लगातार राष्ट्रीय नेताओं का दौरा चल रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भी दौरा होने वाला है। मिली जानकारी के मुताबिक 13 अगस्त को खड़गे का दौरा तय हो गया है।

भरोसे का सम्मेलन जांजगीर-चांपा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष शामिल होंगे। यहां से कांग्रेस के विधानसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत होगी। इसके साथ ही मिनी माता की स्मृति पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हाल ही में पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर उन्हें छत्तीसगढ़ आने का न्योता दिया था। बैज के निमंत्रण को खड़गे ने स्वीकार कर 13 अगस्त को आने की सहमति दे दी है।

शिक्षकों के प्रमोशन होंगे रद्द, नए सिरे से होगी पोस्टिंग

■ **मंत्री रविन्द्र चौबे ने दोषियों पर एफआईआर के दिए निर्देश**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शिक्षामंत्री रविंद्र चौबे ने सहायक शिक्षक पदोन्नति के पोस्टिंग में हुए लेनदेन की पुष्टि के बाद सभी पोस्टिंग रद्द कर नए सिरे से लिस्ट जारी करने को कहा है। साथ ही दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षक प्रमोशन के बाद संशोधित पोस्टिंग लिस्ट को निरस्त किया जाएगा।

मिली जानकारी के मुताबिक शिक्षा मंत्री के निर्देश के बाद जल्द ही डीपीआई की तरफ से निर्देश जारी कर दिया जाएगा। इससे पहले शिक्षा मंत्री रविंद्र चौबे ने इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश दे दिया है। चौबे ने मंत्रालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक भी की। सूत्रों के मुताबिक बैठक में प्रमुख सचिव आलोक शुक्ला, सचिव एस भारतीदासन सहित डीपीआई और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में प्रमोशन और पोस्टिंग को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बता दें कि शिक्षा मंत्री के पास आई शिकायत के आधार पर सभी संभागों में प्रमोशन में पोस्टिंग के संशोधन के नाम पर गड़बड़ी की शिकायत मिली थी। जिसके बाद शिक्षा मंत्री सभी संभागों में कमिश्नर को इस मामले में जांच के आदेश दिये। जिसके बाद बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा के संयुक्त संचालक के खिलाफ मिली जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें सस्पेंड करने का आदेश दिया गया। आपको बता दें कि प्रदेश में 4000-4500 से ज्यादा शिक्षकों के प्रमोशन में संशोधन हुआ था। अब उन संशोधन को निरस्त करने का आदेश शिक्षा मंत्री ने दे दिया है। इस दौरान करीब 8 अफसरों पर कार्रवाई की गई थी। इनमें संयुक्त संचालक स्तर के अफसर भी शामिल है। गड़बड़ी के बाद सरकार द्वारा यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है।

जब विवाहित बेटियों को देना पड़ा कंधा

श्रीकंचनपथ

देश की खाप सरीखी सामाजिक पंचायतों को न तो संविधान की परवाह है और न ही अदालतों की। लोकतंत्र में सरकारों की यह मजबूरी है कि यदि समाज का वोट चाहिए तो वह उसकी ज्यादतियों को भी चुपचाप सहती रहे। महासमुंद जिले के बागबाहरा ब्लाक स्थित खड़ादरहा गांव में एक साहू परिवार सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहा है। उसका साथ देने के आरोप में एक और साहू परिवार के साथ ही आठ आदिवासी परिवारों का भी हुक्का पानी बंद है। परिवार के सदस्यों को न तो कोई काम देता है, न उन्हें गांव की किसी सुविधा का उपयोग करने की इजाजत है। परिवार का दोष केवल इतना है कि उन्होंने गांव के दबंगों की ज्यादतियों का प्रतिरोध किया था। इसपर पंचायत ने उनपर आर्थिक दंड लगाया था जिसे ये परिवार चुका नहीं पाए थे. तभी से गांव वालों ने इनका जीना हराम कर रखा है। आम तौर पर किसी की मृत्यु होने पर पूरा मोहल्ला स्वस्फूर्त होकर उसके घर पहुंचता है। मृतक के घर के मटके फोड़ दिये जाते हैं, चूल्हा ठंडा कर दिया जाता है. मोहल्ला और पास पड़ोस के लोग ही पानी, भोजन आदि की व्यवस्था करते हैं। अर्थी से लेकर दाह संस्कार तक प्रत्येक कार्य में सभी पड़ोसी सहयोग करते हैं पर यहां उलटा हुआ। मृतक के नाते रिश्तेदारों ने भी उनसे दूरी बनाकर रखी। आखिरकार मृतक की विवाहित बेटियों को अपने गांव से लौटकर पिता की अर्थी को कंधा देना पड़ा और भाई के साथ मिलकर मुखाग्नि और दाह संस्कार की अन्य विधियों को पूरा करना पड़ा। शर्म आती है यह सोचकर भी कि, जिस धर्म के प्रत्येक अनुष्ठान में जगत के समस्त जीवों, वनस्पतियों, प्रकृति, औषधि, यहां तक कि अंतरिक्ष को शांत करने के लिए? द्यौ: शान्तिरन्तरिक्षं शान्ति: पृथिवी शान्तिराप: शान्तिरोषधय: शान्ति:। वनस्पतय: शान्तिर्विश्वेदेवा: शान्तिर्ब्रह्म शान्ति: सर्वं शान्ति:, शान्तिरेव शान्ति: सा मा शान्तिरेधि॥ ? शान्ति: शान्ति: शान्ति:॥ का पाठ किया जाता है वहां मानवता के खिलाफ होने वाले ऐसे अपराधों पर समाज आंखें मूंद लेता है। दरअसल, हम हिंसा के अलग-अलग रूपों को पहचान नहीं पाते हैं। किसी का सामाजिक बहिष्कार करना और उसके जीवन को कांटों से भर देना भी हिंसा है। बल्कि, यह उस हिंसा से भी बड़ी है जिसमें कोई क्रोध में आकर किसी की हत्या कर देता है। सामाजिक बहिष्कार की ऐसी खबरें देश के कोने-कोने से आती रहती हैं। खाप पंचायतों को इस मामले में बाकायदा गोल्ड मेडल मिला हुआ है. उनकी अपनी सोच है, अपनी समझ है। उनके लिए कानून और न्याय व्यवस्था का कोई मतलब नहीं है। ये लोग समाज को जोड़ नहीं रहे बल्कि तोड़ रहे हैं। और टूटे-फूटे समाज में जब धर्मांतरण होता है तो इनके झंडाबरदार संख्या बल लेकर उनपर हावी होने की कोशिश करते हैं। आखिर क्या चाहती हैं पंचायतें? यह कि बहिष्कार झेलने वाला परिवार सामूहिक आत्महत्या कर ले और उसके जमीन-मकान पर दबंगों का कब्जा हो जाए?

संपादकीय

मणिपुर में जांच

सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर के संबंध में जो जरूरी फैसला किया है, वह स्वागतयोग्य है। मणिपुर हिंसा के पटाक्षेप और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने एक साथ अनेक फैसले लिए हैं। सीबीआई जांच की निगरानी का काम पूर्व उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार व महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक दत्तात्रेय पडसालगीकर को सौंपा गया है। जांच और राहत कार्य के लिए तीन न्यायाधीशों का एक पैनल बनाया गया है, जिसकी कमान जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल को सौंपी गई है। चूंकि इस पैनल को महिलाओं के बीच काम करना है, इसलिए अन्य दोनों सदस्य जज भी महिलाएं हैं। ये फैसले बहुत तार्किक और न्यायपूर्ण हैं, जिनसे लोगों के भरोसे को बल मिलेगा। पैनल के सामने महिलाएं खुलकर अपनी पीड़ा रख पाएंगी। चूंकि मणिपुर में हिंसा और दंगा संबंधी 6,500 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं, इसलिए सीबीआई के लिए तमाम मामलों की जांच करना आसान नहीं है। अत: महिलाओं की निर्मम हिंसा के 12 मामलों की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी गई है। यदि इन सभी मामलों में सीबीआई दोषियों को सजा दिलाने में कामयाब होती है, तो इसका व्यापक संदेश मणिपुर और पूरे देश में जाएगा।

> इसमें कोई शक नहीं कि मणिपुर सरकार अगर स्वयं ही पूरी सजगता से काम करती, तो यह नौबत ही नहीं आती। लोगों को समझाने और समन्वय के साथ चलने में राज्य सरकार नाकाम रही है। भूलना नहीं चाहिए, सरकारों का पहला दायित्व सुरक्षा देना है। अगर सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं होती है, तो शासन का आधार भी कमजोर हो जाता है और लोग अराजकता के शिकार हो जाते हैं। मणिपुर में शासन और शांति की बहाली के लिए अब राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय की सहयोगी बनकर चलना चाहिए।

सर्वोच्च न्यायालय ने जो फैसले लिए हैं, उनमें निष्पक्षता बहाल करने की पूरी कोशिश नजर आती है। अभी तक मणिपुर में राज्य सरकार का जो रवैया रहा है, उसे लगातार कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। उसकी कमी की वजह से मणिपुर में जातीय हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही और अब तक 160 से अधिक लोगों की जान चली गई है। हजारों लोग घायल हुए हैं और अपने घर से विस्थापित लोगों की संख्या हजारों में है। लोगों की घर वापसी से पहले उनके विश्वास की बहाली ज्यादा जरूरी है। जब कानून व जांच की प्रक्रिया यथोचित ढंग से काम करने लगेगी, तो लोगों में भरोसा जगेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि जांच में स्थानीय लोगों को नहीं, बाहर के अधिकारियों को काम सौंपा जाए। न्यायालय पूरी जांच को व्यापक रूप से देख रहा है। पहले दो महिलाओं के खिलाफहुई हिंसा के संबंध में ही संज्ञान लेने की अपील की गई थी, लेकिन न्यायालय ने समग्रता में मामलों को देखते हुए निर्देश दिए हैं। जाहिर है, मणिपुर में जिस पैमाने पर हिंसा हुई है, उसे समग्रता में देखते हुए ही समाधान संभव है। कानून को अपने हाथ में लेने वाला और देश को सांस्कृतिक-सामाजिक रूप से कमजोर करने वाला कोई भी दोषी तत्व बचना नहीं चाहिए।

यह बात गौर करने की है कि हाल के वर्षों में पहली बार किसी राज्य में दंगे की ऐसी व्यापक जांच होने जा रही है और निगरानी की कमान सर्वोच्च न्यायालय के हाथों में है। क्षेत्रीय व दलीय राजनीति का मिजाज जिस तरह से बदल रहा है, उसमें निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की उम्मीद दुर्भाग्य से घटती चली जा रही है। इसमें कोई शक नहीं कि मणिपुर सरकार अगर स्वयं ही पूरी सजगता से काम करती, तो यह नौबत ही नहीं आती। लोगों को समझाने और समन्वय के साथ चलने में राज्य सरकार नाकाम रही है। भूलना नहीं चाहिए, सरकारों का पहला दायित्व सुरक्षा देना है। अगर सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं होती है, तो शासन का आधार भी कमजोर हो जाता है और लोग अराजकता के शिकार हो जाते हैं। मणिपुर में शासन और शांति की बहाली के लिए अब राज्य सरकार को सर्वोच्च न्यायालय की सहयोगी बनकर चलना चाहिए।

> **यदि हिंसा की आदिम प्रवृत्ति इसी तरह बेरोकटोक चलती रही, तो कोई आश्चर्य नहीं कि एक आधुनिक औद्योगिक समाज बनने को आतुर इस क्षेत्र की दुकानों या कारखानों के विज्ञापनों में यह भी उल्लिखित होने लगे कि सिर्फअमुक धर्मावलंबी ही आवेदन करें। ऐसा हुआ, तो यह सिर्फ1980-90 के दशकों में देखे गए सपने का बर्बर अंत नहीं होगा, बल्कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के दावों को भी मुंह चिढ़ाता नजर आएगा।**

शांत रहने वाला मेवात क्यों भड़क उठा

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

हिंदी के प्रख्यात आलोचक आचार्य रामचंद्र शुक्ल का एक उद्धरण बार-बार दोहराया जाता है, और पिछले दिनों देश की राजधानी से सटे शहर गुरुग्राम की जिन छवियों को मीडिया ने प्रमुखता से छापा, उनको देखकर मुझे एक बार फिर उसकी याद आ रही थी। शुक्ल जी ने विपरीत रचनात्मक प्रवृत्तियों के मध्य आपसी तालमेल को 'विरुद्धों का सामंजस्य' लिखा है। गगनचुंबी इमारतों में बसाए गए बहुराष्ट्रीय निगमों में से किसी एक के 22वीं मंजिल पर स्थित दफ्तर से नीचे झांकने पर जब किसी आईटी वैज्ञानिक को सड़क पर मारो-काटो का शोर मचाती और मशीन समेत मनुष्य को आग के हवाले करती भीड़ में लघु मानव दिखे होंगे, तो उसने विरुद्धों के बीच कैसे सामंजस्य बिठाया होगा? तीन दशक पहले जब वह यहां फॉर्च्यून-500 में शरीक किसी कंपनी में काम करने आया था, तब गुड़गांव नाम का यह शहर धरती पर आकार लेते एक सपने का नाम था। सपना, जो 1980-90 के दशकों में देखा गया था।

उन दिनों के भारत को कंप्यूटर-साक्षर बनाने के सपने ने आज उसे दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था से होते हुए तीसरी के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। हमारी पारंपरिक समझ तो यही थी कि बहुमंजिली इमारतों, राजमार्गों और आधारभूत ढांचों वाले इस आधुनिक औद्योगिक नगर में अब जातियों पर आधारित ऊंच-नीच का स्तरीकरण या धार्मिक कट्टरता से जुड़ी हिंसा अतीत की वस्तु बन जाएंगे। मगर ऐसा हुआ नहीं। 31 जुलाई से शुरू होकर अगले कुछ दिनों तक जो घटनाएं इस इलाके में घटीं, उन्होंने हमारी इस सरलीकृत समझ को गड़बड़ा दिया। मेवात के अपेक्षाकृत कम विकसित नूह से शुरू हुई हिंसा जल्द ही गुरुग्राम के उन इलाकों तक पहुंच गई, जिनके कंधों पर एक आधुनिक औद्योगिक ग्लोबल समाज बनाने की जिम्मेदारी थी।

शुरुआत हुई एक ऐसे जुलूस से, जिसकी परिकल्पना बृज मंडल जलाभिषेक नामक एक धार्मिक यात्रा के रूप में की गई थी, पर इस वर्ष इसमें भाग लेने वाले डंडों और तलवारों से लैस थे। पिछले सौ वर्षों से भारत के सारे पुलिस संगठन खास तौर से धार्मिक जुलूसों के प्रबंध के लिए लगभग एक जैसी मानक संचालन प्रक्रियाएं या एसओपी अपनाते रहे हैं। इनका पहला बिंदु ही होता है कि किसी नए जुलूस को आसानी से इजाजत न दी जाए। यह फैसला भारतीय समाज की संवेदनशीलता को ध्यान में रखकर लिया गया है, जहां छोटी सी उत्तेजना बड़ी हिंसा का कारण बन सकती है। फिर जुलूस के आयोजकों के साथ बैठकर पुलिस जुलूस का रास्ता, उसमें भाग लेने वालों की संख्या, उनके द्वारा लगाए जाने वाले नारों इत्यादि का विवरण तय करती है। यदि जुलूस का रास्ता भिन्न धार्मिक समुदाय की रिहायश से होकर गुजरता है, तो दोनों पक्ष खास तरह की समझदारी विकसित करते हैं। हर थाने में कुछ रिकॉर्ड्स रखे जाते हैं, जिनमें ये सारे विवरण दर्ज होते हैं।

नूह की यह यात्रा पिछले चार वर्षों से ही निकल रही थी और हरियाणा में बदले राजनीतिक समीकरणों का नतीजा लगती है। जो विवरण पुलिस अधिकारियों के बयानों या मीडिया रिपोर्टिंग के जरिये हाथ लगे हैं, उनसे स्पष्ट नहीं हो रहा कि इस एसओपी का किस हद तक पालन हुआ। यदि पालन हुआ, तो जुलूस में शामिल लोगों को लाठियां या तलवारें लेकर चलने की इजाजत कैसे मिल गई या यदि वे बिना इजाजत के हथियार लिए हुए थे, तो उन्हें रोका क्यों नहीं गया? जो नारे वे लगा रहे थे, वे भी किसी साझी सहमति से तय हुए नहीं लगते। यह जानना भी जरूरी होगा कि क्या पुलिस की जानकारी में था कि यात्रा की प्रस्तावित तिथि के पहले कई दिनों से उत्तेजक और अशोभनीय भाषा में सोशल मीडिया में वीडियो वायरल हो रहे थे और इनसे जो माहौल बन रहा था, उनकी परिणति तो हिंसा में ही हो सकती थी। उनको रोकने का प्रशासन ने कोई प्रयास किया हो, इसका कम से कम मुझे कोई प्रमाण कहीं नहीं मिला।

नूह या आसपास की हिंसा किसी शून्य से नहीं उपजी है। बीते कुछ वर्षों से पशु व्यापारियों की सड़कों पर पीट-पीटकर हत्या की कई घटनाएं हुई हैं। 15 फरवरी, 2023 को जुनैद और नासिर की नृशंस हत्या ने तो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों का भी ध्यान आकर्षित किया था। यह मामला जो राजस्थान में दर्ज हुआ था, इसलिए भी कुख्यात रहा कि राजस्थान और हरियाणा पुलिस में विवाद के चलते दोषियों की महीनों तक गिरफ्तारी नहीं हो सकी और इन अपराधियों में से एक का भड़काऊ वीडियो यात्रा के पहले गर्दिश करता रहा और माहौल खराब होता गया।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एकाधिक राज्यों में फैले मेवात के इलाके में देश-विभाजन के समय भी दंगे नहीं हुए थे। खुद गांधी जी ने व्यक्तिगत प्रयास कर यहां के मुसलमानों का पलायन नहीं होने दिया था। अपने को मुसलमान से अधिक मेव कहलाने के शौकीन ये आज भी अपने पूर्वज हिंदुओं के रीति-रिवाज रोजमर्रा की जिंदगी में बरतते रहते हैं और तब्लीगी जमात जैसे कट्टरपंथी संगठनों के लिए चुनौती बने हुए हैं। पारंपरिक रूप से यह एक खेतिहर व पशुपालक समाज है और पिछले कुछ दशकों से आसपास के बड़े शहरों गुरुग्राम, अलवर, नूह या भरतपुर की जरूरतों के अनुसार अपने को शहरी रोजगारों के लिए तैयार कर रहा था। इसका परिणाम गांवों से शहरों की ओर होने वाले पलायन और सार्वजनिक जमीनों को घेरकर विकसित हुई मलिन बस्तियों के रूप में दिखता है। दंगों के बाद बुलडोजरों से अनेक निर्माणों को ध्वस्त किया गया। धार्मिक कट्टरता ने फ्लिवक्त तो पीढ़ियों से चले आ रहे पशुओं के व्यापार पर विराम लगा ही दिया है।

इन दंगों की सबसे विचलित करने वाली तस्वीर एक दुकान के सामने लगा पोस्टर है, जिस पर लिखा था, यहां सिर्फ हिंदू कर्मचारी काम करते हैं। यदि हिंसा की आदिम प्रवृत्ति इसी तरह बेरोकटोक चलती रही, तो कोई आश्चर्य नहीं कि एक आधुनिक औद्योगिक समाज बनने को आतुर इस क्षेत्र की दुकानों या कारखानों के विज्ञापनों में यह भी उल्लिखित होने लगे कि सिर्फ अमुक धर्मावलंबी ही आवेदन करें। ऐसा हुआ, तो यह सिर्फ 1980-90 के दशकों में देखे गए सपने का बर्बर अंत नहीं होगा, बल्कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के दावों को भी मुंह चिढ़ाता नजर आएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

महिला सुरक्षा की लड़ाई से राजनीति को दूर रखिए

नमिता भंडारे, वरिष्ठ पत्रकार

कुछ लोग किसी भी प्रकार की हिंसा की बात उठने पर अपनी रणनीति के अनुरूप ही सवाल उठाते हैं। मणिपुर की बात होती है, तो पूछने लगते हैं, राजस्थान के बारे में क्या, पश्चिम बंगाल के बारे में क्या? इस पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ का जवाब है, 'हम सांप्रदायिकता और सांप्रदायिक संघर्ष में महिलाओं के खिलाफ अभूतपूर्व हिंसा से निपट रहे हैं।' उन्होंने मणिपुर में निर्मम हिंसा पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बात कही है।

सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका में यौन हिंसा की 11 घटनाओं की ओर इशारा किया गया है, जैसा कि प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफ्आईआर) में दर्ज किया गया है। इनमें इंफ्ल में कार धोने का काम करने वाली दो महिलाओं का बलात्कार और हत्या का मामला शामिल है। पोरोम्पैट में नाइटिंगेल नर्सिंग इंस्टीट्यूट की दो छात्राओं का मामला शामिल है, जहां पुरुष चिल्ला रहे थे, इनका बलात्कार करो, इन्हें यातनाएं दो। इसमें फेइताइचिंग गांव में 45 वर्षीय महिला का अधजला, निर्वस्त्र शरीर पाया जाना; और 15 मई को 18 साल की लड़की का अपहरण व सामूहिक बलात्कार का मामला भी शामिल है। मणिपुर की ये दुखद घटनाएं देश के बाकी हिस्सों में होने वाली यौन हिंसा से केवल इसलिए अलग हैं, क्योंकि इन सभी मामलों में पीड़ित कुकी महिलाएं हैं, जिन्हें मैतेई समुदाय की भीड़ ने निशाना बनाया और उनके साथ क्रूरता की। संयुक्त राष्ट्र संगठन के विभिन्न नियम-कायदे और यहां तक कि हमारी दंड संहिता भी इन्हें धारा 376(2)(जी) के तहत एक अलग अपराध के रूप में मान्यता देती है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश की यह टिप्पणी अधिवक्ता बांसुरी स्वराज पर निर्देशित थी और मुझे दिल्ली में दिसंबर 2012 के सामूहिक बलात्कार कांड मामले पर संसद में उनकी मां सुषमा स्वराज द्वारा जताई गई पीड़ा की याद आ गई। मैं सुषमा

स्वराज के इस बयान से आज भी सहमत नहीं हूं कि अगर 23 वर्षीया छात्रा (निर्भया) गंभीर चोटों से किसी तरह बच भी जाती, तो भी वह जिंदा लाश के समान ही होती। समान भाव से देखें, तो एक दशक के अंतराल पर हुए दोनों महिला संबंधी अपराधों की तुलना नहीं की जा सकती। वह एक युवती के खिलाफ किया गया भयानक अपराध था। ताजा मामले में कुकी महिलाओं को चुनकर निशाना बनाया गया है और इसमें पुलिस की भी कथित मिलीभगत की शिकायत सामने आ रही है। यह पुलिस उस राज्य के मैतेई मुख्यमंत्री को रिपोर्ट करती है। शीर्ष अदालत के प्रधान न्यायाधीश को यहां फिर उद्धृत करें, तो उन्होंने साफइशारा किया कि मणिपुर में सांविधानिक तंत्र नष्ट हो चुका है। यदि मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई ज्यादती की किसी से तुलना की जाए, तो बिलकिस बानो मामले से की जा सकती है। ध्यान रहे, साल 2002 के गुजरात दंगों के दौरान बिलकिस के साथ बलात्कार और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या करने वाले 11 लोगों को सजा में दी गई छूट को चुनौती देने वाली याचिका अभी शीर्ष अदालत में लंबित है।

साल 2013 के बाद के दशक ने एक और अंतर को रेखांकित किया है। कहा जाता है, हम ऐसे दुखद दौर में आ गए हैं, जहां महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध यौन हिंसा नियमित सी हो गई है, लेकिन इसकी हमारे द्वारा की जाने वाली निंदा हमारे राजनीतिक झुकाव के आधार पर ही सामने आती है। हमने देखा है, कठुआ में दोषी ठहराए गए बलात्कारियों व हत्यारों के पक्ष में बार एसोसिएशन भी प्रदर्शन कर सकता है। उधर, केरल में पांच साल की बच्ची के साथ बलात्कार व हत्या का मामला भाजपा के लिए भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) की कमियों का मजाक उड़ाने का अवसर है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि कांग्रेस ने मणिपुर सरकार की आलोचना की थी। मतलब, अब सियासी हमला चुन-चुनकर किया जा रहा है।

आज यौन हिंसा हमारे देश की दुखद सच्चाई है, लेकिन राजनीतिक एजेंडे के अनुरूप अपने आक्रोश और गुस्से को चुनना हमारे नैतिक विवेक की कमी की ओर इशारा करता है। सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप और दोटूक टिप्पणियों का स्वागत है, लेकिन सिर्फइतना ही हमारे विवेक की रक्षा के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

क्या हम स्वतंत्र इकाई हैं

तुम किसी मनोरम घाटी में शांति से रह सकते हो; खामोश, महत्वाकांक्षा रहित, ईमानदार, प्रतिस्पर्द्धा से परे; बस अपनी पत्नी या पति के साथ। मगर क्या इसका प्रभाव संपूर्ण मानव चेतना पर पड़ेगा?

क्या इस धरती पर शांति संभव है? यह सवाल सहस्राब्दियों से पूछा जा रहा है। ढाई हजार साल पहले, ईसाई धर्म के अस्तित्व में आने से बहुत पहले, बुद्ध शांति की बात कर रहे थे। और हम आज भी इसके बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे में, किसी को क्या करना चाहिए? शांति से रहने के निजी प्रयास पूरी दुनिया को प्रभावित नहीं करते। तुम किसी मनोरम घाटी में शांति से रह सकते हो; खामोश, महत्वाकांक्षा रहित, ईमानदार, प्रतिस्पर्द्धा से परे; बस अपनी पत्नी या पति के साथ। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इसका प्रभाव संपूर्ण मानव चेतना पर पड़ेगा?

समस्या कहीं अधिक बड़ी, कहीं अधिक गहन है। हमें मिलकर सोचना होगा; वक्ता की तरह नहीं, बल्कि पेड़ की छांव में बैठे दो पुराने मित्रों की तरह एक साथ, सबके बारे में बात करते हुए, न सिर्फ बौद्धिक रूप से, बल्कि व्याकुल मन और गंभीर चिंता के साथ कि दुनिया में क्या हो रहा है और हमारे साथ क्या हो रहा है? हमें दो पुराने दोस्तों की तरह सोचना होगा, जो सौहार्दपूर्ण बातचीत करते हैं, एक-दूसरे को उपदेश नहीं देते या उकसाते नहीं हैं; जो अपनी राय या निष्कर्ष पर अड़े नहीं रहते, बल्कि वे एक साथ रहते हैं, एक साथ चलते हैं, दुनिया की चीजें साथ-साथ देखते हैं।

इस कोशिश में उपदेश नहीं है कि क्या सोचना है, कैसे सोचना है, बल्कि साथ-साथ निरीक्षण है। इस कवायद में आप किसी को सुन नहीं रहे होंगे, बल्कि एक साथ इस सवाल का उत्तर खोज रहे होंगे कि क्या हम शांति से रह सकते हैं? न केवल आप और मैं, बल्कि समूची मानवता, क्योंकि यह धरती हम सबकी है। हम सब इसके मेहमान भर हैं और हमें यहां शांति से रहना है।

गौर कीजिए, हमें धार्मिक व आर्थिक रूप से इस तरह शिक्षित-प्रशिक्षित किया गया है कि हम यह मान सकें, बाकी मानव समाज से हम पृथक हैं, दूसरे से अलग हैं। क्या वाकई ऐसा है? क्या हम सचमुच व्यक्ति मात्र हैं? सभी धर्मों ने यही तो कहा है, लेकिन हमें इसकी परीक्षा करनी होगी कि क्या हम वास्तव में एक व्यक्ति भर हैं? इसे नकारने या स्वीकारने से पहले इसके सभी निहितार्थ देखें। यह आपकी 'कंडीशनिंग' है कि आप एक स्वतंत्र इकाई हैं; आप जो करना चाहें, वह करने को स्वतंत्र हैं। सर्वसत्तावादी इसे नकारते हैं; वे कहते हैं कि आप सामाजिक संरचना का मात्र एक हिस्सा हैं।

इसलिए, हम यह सवाल कर रहे हैं। सच यही है कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी हम अलग नहीं। बाकी लोग भी हमारी तरह पीड़ा और अनिश्चितता से गुजरते हैं और हमारी प्रतिक्रिया भी, जो हमारी चेतना का हिस्सा है, दूसरों के समान है। यह एक पूर्ण तथ्य है।

जे कृष्णमूर्ति

विदेश नीति की बढ़ती चुनौतियां

भारत डोगरा

विश्व शांति को बढ़ते खतरों के बीच विकासशील देशों की विदेश नीति संबंधी कठिनाइयां और चुनौतियां बढ़ गई हैं। इस संदर्भ में मूलत: उनके सरोकार दो तरह के हैं और उनमें समन्वय बनाना जरूरी है।

उनका पहला उद्देश्य यह है कि विश्व की बढ़ती जटिलताओं के बीच वे अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करें व अपने देश के लोगों के हितों की रक्षा करें। उनका दूसरा उद्देश्य यह है, या होना चाहिए कि विव अमन शांति में, न्याय व समता आधारित वि व्यवस्था में, वि स्तर पर पर्यावरण की रक्षा में भरसक अपना सहयोग दें।

जहां तक राष्ट्रीय हितों का सवाल है तो स्पष्ट है कि कोई भी देश ऐसी स्थिति में नहीं आना चाहेगा, जिससे उसकी संप्रभुता और सीमाओं के खतरा पहुंचे। इसके साथ कोई भी विकासशील देश यह चाहेगा कि कृषि व खाद्य, व्यापार, निवेश, विदेशी कर्ज, करेंसी, पेटेंट, टैक्स, खनिज, ऊर्जा, जैविक संपदा व पर्यावरण आदि के मामलों में उससे अन्याय न किया जाए व अंतरराष्ट्रीय आर्थिक स्थिति ऐसी बनी रहे जो देश की स्थितियों के अनुकूल हो।

अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने के लिए विकासशील देशों को चाहिए कि अमेरिका व नाटों देशों की रूस व चीन के प्रति जो दुश्मनी है, उसमें वे किसी एक गुट से न जुड़े अपितु गुट-निरपेक्ष देशों की ताकत को बढ़ाएं। कुल मिलाकर संयुक्त राज्य अमेरिका की नीतियां इराक, लीबिया, ईरान, सीरिया यमन व अफगानिस्तान जैसे कई देशों के प्रति बहुत अन्यायपूर्ण रही हैं, व जहां ऐसी नीतियों का विरोध जरूरी है, वहां करना चाहिए पर इस तरह से कि इतनी बड़ी सैन्य महाशक्ति से दुश्मनी न मोल ली जाए। दूसरी ओर चीन ने भी कई बार बहुत आक्रमकता का परिचय दिया है। यदि संयुक्त राज्य अमेरिका की आक्रमकता के साथ चीन की आक्रमकता क भी विरोध किया जाए तो यह अधिक न्यायसंगत होगा।

इस संदर्भ में यह सवाल सामने आता है कि अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में व वि शांति व न्याय को बढ़ावा देने में कोई परस्पर विरोध न उत्पन्न हो जाए। जिन देशों से अमेरिका ने अन्याय किया है, उनके पक्ष में खड़े होना जरूरी है पर इसके साथ ही अमेरिका के भीतर जो अमन-शांति व न्याय की ताकतें हैं, उनसे नजदीकी संबां भी बनाए रखनी चाहिए ताकि अमेरिका में भी मित्रता के संबां बने रहे। अमेरिका कोई सही कदम उठाए, तो वहां उसका समर्थन भी करना चाहिए। अमेरिका इस समय रूस के प्रति बहुत आक्रमक है व रूस पर अमेरिका ने अनेक प्रतिबां लगाए है। भारत इस आक्रमकता का समर्थन नहीं कर सकता है और रूस के साथ भारत के पुराने मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, उससे भारत को बहुत कठिन समय में सहायता मिली है

(जैसे कि बांग्लादेश की स्वाधीनता के युद्ध के समय) व इस मित्रता को हमें कठिन वक्त में बचाए रखना चाहिए)।

दूसरी ओर चीन से भारत को बहुत निराशा व आक्रामकता ही प्राप्त हुई है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत और चीन यदि सही अथरे में मित्र देश रहे होते तो इनसे इन दोनों देशों का, एशिया व दुनिया का बहुत भला होता। भारत की आजादी के बाद जवाहरलाल नेहरू ऐसे प्रधानमंत्री थे जो इन दोनों देशों की मित्रता को बहुत महत्त्व देते थे। पर पहले चीन ने तिब्बत पर एकपक्षीय कार्रवाई की और फिर 1962 के हमले में और भी अधिक आक्रमक कार्रवाई दिखाई। दरअसल, 1959-61 के मानव निर्मित अकाल के कारण इस समय चीन की सरकार के विरुद्ध आंतरिक असंतोष बढ़ रहा था और इस स्थिति में भारत पर आक्रमण द्वारा अपनी शक्ति-प्रदर्शन चीन ने किया जो अनुचित व अनैतिक था। इसके लिए चीन ने ऐसा समय चुना जब क्यूबन मिसाइल संकट के कारण अमेरिका का ध्यान उस ओर केंद्रित था व अमेरिका व रूस अपने बीच किसी बड़े युद्ध की आशंका को टालने में व्यस्त थे। फिर जब बांगलादेश स्वाधीनता का युद्ध हुआ तो सभी साम्यवादी मान्यताओं को दुत्कारते हुए चीन ने पाकिस्तान की याहया खान तानाशाही का समर्थन बांगलादेश के स्वतंत्रता संग्राम के विरुद्ध किया।

इस तरह एक के बाद एक भारत-चीन संबंधों को झटके लगते रहे जिनमें मुख्य गलती चीन की आक्रमकता की थी। इसके बाद संबंध सुधारने के प्रयास हुए व इनमें कुछ सफलता मिली थी। पर कुल मिलाकर संबंधों में खटास बनी रही और हाल के समय में चीन की आक्रमकता और बढ़ी। कुल मिलाकर भारत का अनुभव यह रहा है कि चीन राजनीतिक और आर्थिक दोनों खतरों पर अधिक आक्रमक नीतियां अपनाता है। इसके बावजूद यह उचित नहीं होगा कि चीन और अमेरिका के अधिक बड़े टकराव में भारत पूरी तरह अमेरिकी कैंप से जुड़ जाए। यह करने से भारत अधिक बड़ी सैन्याक्तियों के टकराव में पिस जाएगा।

अत: भारत को किसी भी गुट से नहीं जुड़ना चाहिए व विदेश नीति संबंधी अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखना चाहिए। चाहे चीन ने हमें पहले कितना भी निराश किया हो, दोनों पड़ोसी देशों की मित्रता के लाभ इतने अधिक हैं कि इन मित्रता की संभावनाओं को खुला रखना होगा। यदि चीन की नीयत और नीति बदलती है और वह सही अथरे में दोस्ती का हाथ बढ़ाता है तो भारत को यह दोस्ती का हाथ फिर भी थाम लेना चाहिए। इस उदाहरण से पता चलता है कि विदेश नीति में कितनी पेचीदगियां हैं व वे बढ़ भी रही हैं। इन बढ़ती पेचीदगियों के बीच भारतीय विदेश नीति कुल मिलाकर काफी सफल रही है और अनेक विकासशील देश विभिन्न मुद्दों पर भारत के रुख पर बहुत ध्यान देते हैं। इस स्थिति को आगे ले जाते हुए भारत को गुट-निरपेक्ष देशों के समूह को और गुट-निरपेक्षता को मजबूत करने में अधिक सशक्त भूमिका निभानी चाहिए व गुट-निरपेक्ष देश के नेतृत्व में और भी अधिक मान्यता प्राप्त करनी चाहिए। ब्रिक्स समूह का महत्त्व भी बढ़ रहा है पर गुट-निरपेक्ष देशों के समूह की सदस्य संख्या बहुत ज्यादा है और इसका अपना एक ऐतिहासिक महत्त्व भी है।

जलवायु बदलाव संबंधी कार्यक्रम जहां पर्यावरण रक्षा के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण है वहां अंतरराष्ट्रीय संबंधों व राजनयिक स्तर पर भी यह विषय महत्त्वपूर्ण होता जा रहा है। इसमें विकासशील देशों को एक विशेष सावधानी यह रखनी चाहिए कि इस विषय पर धनी देश फिर से चालाकी कर इसे अपने स्वार्थ साधने के लिए दुरुपयोग न करें। ऐसे कुछ आसार तो नजर आ ही रहे हैं अत: सावधानी की जरूरत है। जलवायु

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने आज कलेक्टोरेट से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत प्रचार रथ को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार रथ तीनों विकास खंडों के ग्राम पंचायतों में पहुंचकर किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की जानकारी से अवगत करायेगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत खरीफ फसलों के लिये बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2023 नियत की गई है। कलेक्टर एस जयवर्धन द्वारा सभी पात्र किसानो से फसलबीमा का लाभ लेने के लिए अपील की गई है। कार्यालय उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के लिए खरीफ मौसम में धान सिंचित व असिंचित, मक्का,उड़द और मूंगफली फसल को अधिसूचित किया गया है। धान एवं मक्का फसल के लिये ग्राम को इकाई क्षेत्र लिया गया है तथा उड़द और मूंगफली फसल के राजस्वनिरीक्षक मण्डल क्षेत्र को इकाई माना गया है। प्रधानमंत्री फसलबीमा योजना का लाभ ऋणी, अऋणी, भूधारक किसान, बटाईदार व वनपट्टाधारी किसान ले सकते है। इस वर्ष नवगठित जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में फसलबीमा के लिए बीमा कम्पनी बजाज जनरल इन्शोरेंस कम्पनी लिमिटेड को अनुबंध किया गया है। प्राप्त जानकरी अनुसार बीमांकित राशि धानसिंचित के लिये 1160 रूपये तथा धानअसिंचित के लिये 880 रूपये प्रति एकड है तथा किसानो के लिये प्रीमियम राशि 2 प्रतिशत् है।

खरीफ मौसम के लिए पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 तक

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिला कार्यालय के परिसर से पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा रथ को हरी झण्डी दिखाकर किसानों को जागरूक करने के लिए रवाना किया। यह रथ गांव-गांव जाकर पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा का प्रचार-प्रसार करेगा। उद्यान विभाग के सहायक संचालक मिथलेश देवांगन ने बताया कि खरीफ मौसम के लिए उद्यानिकी पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा की अंतिम तिथि 16 अगस्त 2023 तक है। जिसमें किसान अपने फसलों को अधिक तापमान, कम तापमान अधिक वृष्टि, तेज हवा ओलावृष्टि तथा कीट व्याधि प्रकोप से सुरक्षा के लिए बीमा कर सकते है। उक्त मौसमी गतिविधियों के ऑकड़ों का संधारण जिले में स्थापित 12 स्वचलित मौसम केन्द्रों के माध्यम से किया जायेगा। इन ऑकड़ों के आधार पर दावा गणना कर बीमा दावा भुगतान कृषकों को फसल अवधि पूर्ण होने के उपरांत बीमा कम्पनी (भारतीय कृषि बीमा कम्पनी) के माध्यम से किया जायेगा। उन्होंने कृषकों से अपील की है कि वे अपने उद्यानिकी फसल जैसे टमाटर, बैगन, करा सकते हैं।

जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन समयावधि में सुनिश्चित करें - मो. अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण विधि-विधायी कार्य विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारित समयावधि में क्रियान्वयन सुनिश्चित की जाए। जिससे कि आम जनता को इनका समुचित लाभ मिल सके।

प्रभारी मंत्री अकबर बालोद जिले के प्रभारी मंत्री बनने के पश्चात् आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में पहली समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम जनता को मिल सके। इसके लिए जरूरी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने वनमण्डलाधिकारी को निर्माण कार्य से जुड़े वन विभाग से संबंधित प्रकरणों को तत्काल उनके समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। जिससे कि इन प्रकरणों के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सोनादेवी देशलहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा कलेक्टर कुलदीप शर्मा, वनमण्डलाधिकारी आयुष जैन, जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. रेणुका श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर शशांक पाण्डेय सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में प्रभारी मंत्री ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत जिले के कृषकों को अब तक प्राप्त कुल राशि के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने गोधन न्याय योजना के अंतर्गत गौठानों में अब तक की कुल गोबर खरीदी एवं गोबर विक्रेताओं को गोबर विक्रय की राशि भुगतान के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लीनिक योजना की समीक्षा करते हुए इस योजना से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने इस योजना के अंतर्गत आम लोगों को जरूरी दवाईयों की उपलब्धता एवं स्वास्थ्य जॉच भी सुनिश्चित कराने को कहा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों के कार्यों की समीक्षा करते हुए शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी ली तथा शीघ्र ही समुचित संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने को कहा। बैठक में कलेक्टर श्री कुलदीप शर्मा ने कहा कि 15 दिनों के भीतर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में शिक्षकों की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने की जानकारी दी। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत जिले में शाला मरम्मत के कार्यों की भी समीक्षा की तथा इस कार्य को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने जिले में सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की भी विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने वर्षा ऋतु के मद्देनजर सड़कों का मरम्मत एवं गड्ढे भराव आदि के कार्य को विशेष प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मोहंदीपाट से देवरी मार्ग में क्षतिग्रस्त पुलिया के निर्माण हेतु 01 सप्ताह के भीतर प्राक्कलन प्रस्तुत करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिए। जिससे कि इनका शीघ्र मरम्मत कराई जा सके। जिससे कि आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो सके। इसके अलावा उन्होंने राजस्व प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की।

रीपा की बदौलत मजदूर से बनी मालकिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कभी दूसरे के खेतों और फैक्ट्री में मजदूरी करने वाली महिलाएं आज खुद मालकिन बन गई है। अब वे खुद के लिए काम कर रही है। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क के माध्यम से इन महिलाओं को आत्मनिर्भरता की नई राह मिली है। राज्य सरकार की इस नवाचारी पहल से उद्यमियों को बड़ा सहारा मिला है। गावों के गौठानों में अब तक 300 रीपा का निर्माण हो चुका है, जहां लोगों को आजीविका की गतिविधियों के लिए पर्याप्त साधन और सुविधाएं मिली है। ग्रामीण उद्यमियों के अपने पसंद का उद्यम संचालित करना आसान हो गया है।

महासमुंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम कांपा की खेतिहर और गरीब महिलाओं ने दुर्गा स्वयं सहायता समूह बनाया जिसमें 10 महिला सदस्य हैं। महिलाएं बिहान से जुड़कर आत्मविश्वासी बनी और अब रीपा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। तकनीकी और मेहनत के कार्य को आमतौर पर महिलाओं के लिए दुरूह माना जाता है, लेकिन फ्लाई ऐश ईंट बनाने के इस काम को महिलाओं ने बखूबी करके दिखाया है। विगत 3 महीनों में ही इन्होंने करीब 67 हजार ईंट तैयार किए हैं, इनमें से 40 हजार ईंट पंचायत को विक्रय भी किया गया है। महिलाओं को इससे 1 लाख रूपए से अधिक की आमदनी हुई है। समूह की सचिव श्रीमती कल्याणी दुबे ने बताया कि महिलाएं वर्मी कंपोस्ट भी बना रही है और अब तक 1 लाख 30 हजार रूपए का खाद विक्रय कर चुकी है। उनका समूह सवा लाख रूपए का आंतरिक लेन-देन भी कर रहा है। कल्याणी बताती है कि प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद अब महिलाएं आसानी से ईंट बना पा रही हैं, महिलाओं को जिला प्रशासन द्वारा रीपा में आवश्यक मशीन व संसाधन उपलब्ध कराये गए हैं।

समूह की अध्यक्ष अहिल्या साहू ने बताया कि प्रति ईंट लगभग ढाई रुपए की दर से बेचते हैं। वहीं समूह से जुड़ी देवकी सोनी, दीपलता और उर्वशी दुबे ने कहा कि हमने सोचा नहीं था कि हम खुद मशीन का संचालन कर पाएंगे लेकिन अब ऐसा हो रहा है। महिलाओं के चेहरे पर आत्मविश्वास व आत्मनिर्भरता की चमक देखी जा सकती है। महिलाएं कहती है कि कभी हमारे दिन दूसरों के यहाँ मजदूरी में गुजर जाते थे, लेकिन आज हम खुद के लिए काम कर रही हैं और मालकिन जैसे महसूस करते हैं। यह रीपा से ही सम्भव हो सका।

प्रदेश शासन जन कल्याणकारी योजनाओं के लिए प्रतिबद्ध - भेंडिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दल्लीराजहरा। राजीव गांधी किसान न्याय योजना की आदान राशि मिलाकर धान का दाम 2,640 रु प्रति क्विंटल दिया गया। सरकार बनने के सिर्फ 2 घंटे के अंदर 19 लाख किसानों का 9270 करोड़ रुपये का ऋण माफ किया। यह बात प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने बीएसपी गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा। उन्होंने कहा कि 724 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी व हिन्दी स्कूलों में अच्छी शिक्षा मुफ्त 4 लाख से ज्यादा छात्र लाभांवित हो रहे हैं। भूमिहीन कृषि मजदूरों को वार्षिक 7,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। बिजली बिल हुआ आधा, अब तक आम लोगों की 3,767 करोड़ रुपये की बचत हुई। अब 7 की जगह 67 लघु वनोपजों की खरीदी, वनोपज संग्राहकों की संख्या 1.5 लाख से बढ़कर 6 लाख हो गई। तेंदूपत्ता संग्राहकों को अब मिलता है 4,000 रु प्रति मानक बोरा। श्रीमती भेड़िया ने कहा कि मुख्यमंत्री हाट बाजार क्लिनिक, दाई-दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना जैसी अनेक योजनाएं शुरू हुई इससे 60 लाख से भी अधिक मरीजों को लाभ हुआ। अब तक 10 हजार गोठानों का हुआ निर्माण जहां 2 रुपये में 1 किलो गोबर व 4 रुपये लीटर गोमूत्र खरीदने वाला छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना। मुख्यमंत्री मितान के अंतर्गत 100 से अधिक सरकारी सेवाओं - ड्राइविंग लाइसेंस, जाति प्रमाणपत्र, राशन कार्ड आदि घर पर उपलब्ध करवाया गया । इसी के साथ अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 10,000 रु/ माह, दिया जा रहा है। एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं को 5000 रु/माह मानदेय राशि दी जा रही है। छोटे - छोटे रोजगार के चलते छत्तीसगढ़ की बेरोजगारी दर लगातार देश में कम,होते जा रही है। पुरानी पेंशन योजना लागू की गई इससे सरकारी कर्मचारी खुश हैं।

जन चौपाल में मिले 52 आवेदन : कलेक्टर ने आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों का समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित होने वाले जन चौपाल में आज कलेक्टर प्रभात मलिक ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनी और संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण के लिए निर्देश दिए। जनदर्शन में आज ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के 52 आवेदकों ने आवेदन प्रस्तुत किए।

कलेक्टर ने सभी आवेदकों की समस्याएं बारी-बारी सुनी और कहा कि सभी संबंधित अधिकारी निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदकों की समस्याओं का निराकरण करना सुनिश्चित करें।

आज जन चौपाल में ग्राम बिरकोनी की गीताबाई सांवरा ने आर्थिक संकट से उबरने सहायता राशि दिलाने आवेदन दिया। ग्राम गढ़सिवनी के हृदय लाल ने प्रधानमंत्री आवास दिलाने बाबत, डेरहा राम ग्राम बोकरा मुड़ा ने वन अधिकार पट्टा दिलाने, ग्राम अछोली के कामता प्रसाद साहू ने घास जमीन में उद्योग स्थापित हेतु विद्युत कनेक्शन कटवाने, अलादीन रावत टोको पथरा ने पैतृक संपत्ति में पिता के मृत्यु के बाद उनकी छः संतानों जो की पुत्रियां है के नाम जुड़वाने बाबत, लाभो तांडी ग्राम कसेकेरा ने वृद्धा पेंशन दिलाने बाबत, ग्राम बोइर गांव के तुला राम देवांगन ने सामुदायिक भवन निर्माण एवं शौचालय निर्माण की मजदूरी भुगतान कराए जाने बाबत, ग्राम बिरकोनी हाई स्कूल के छात्र ने जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन दिए।कलेक्टर ने जनचौपाल में प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु आए हितग्राहियों को बताया कि राज्य सरकार द्वारा अभी हाल ही में सर्वे के अनुसार पात्रतानुसार सूची जारी की जा रही है। इसी तरह वृद्धावस्था पेंशन के लिए समाज कल्याण को निर्देशित करते हुए कहा कि अगर 2011 सर्वे की सूची में नाम छूट गया है, लेकिन हितग्राही का नाम वोटर आई डी में हो तो ऐसे हितग्राहियों को वृद्धावस्था और विधवा पेंशन के लिए पात्र किया जा सकता है।जनचौपाल में अपर कलेक्टर श्री दुर्गेश वर्मा व निर्भय साहू, डिप्टी कलेक्टर श्रवण टंडन, मिषा कोशले सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बीसी सखी के रूप में पवनरेखा ग्रामीण क्षेत्रो में बैकिंग सुविधाए करा रही है उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। बदलते परिवेश एवं भाग दौड़ के इस समय में बैंक में वित्तीय लेनदेन का दबाव बढ़ा है साथ ही आमजनों को बैंक से वित्तीय लेनदेन में परेशानी का सामना भी करना पड़ता है। ऐसे मे बीसी सखी (बैंकिग कोरेस्पोंडेंट एवं डिजि-पे दीदी) ग्रामीण क्षेत्रो में बैकिंग सुविधाए उपलब्ध करा रही है।

बीसी सखी द्वारा दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्रों, वनांचलों ग्रामीण क्षेत्रो में सेवा भावना से लोगों के घर-घर जाकर दिव्यांग, वृद्धा एवं असहाय लोगो को पेंशन भुगतान के साथ ही ग्रामीणों को मनरेगा मजदूरी भुगतान, किसान सम्मान निधि योजना, समस्त पेंशन योजना, बीमा योजना आदि की राशि समय पर प्रदान की जा रही है।

ग्रामवासियों को पैसो के लेनदेन में अनावश्यक परेशानी न हो इस बात को ध्यान मे रखते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत गठित स्वसहायता समूह की महिलाओं को बैंक सखी के रूप में नियुक्त कर उन्हें इस कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया है। बैंक सखी बायोमीट्रिक डिवाइस, एंड्राइड फोन के साथ गांव-गांव जाकर मोबाईल बैंकिंग यूनिट के रूप में अपनी सेवाएं दे रही है। बैंक सखी की नियुक्ति से लोगों को छोटी-छोटी राशियों के लेन-देन के लिए बार-बार बैंक जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इससे आम लोगों के बैंक आने-जाने में लगने वाले समय एवं धन की बचत होने के साथ ही बैंकों पर पड़ने वाले दबाव में भी कमी आई है। साथ ही बैंक सखी की नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा की राशि भुगतान, वृद्धा पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं बैंक खातों के माध्यम से होने वाले अन्य मजदूरी भुगतान में तेजी तथा नियमितता आई है।

विकासखंड कोरबा के ग्राम पंचायत नकटीखार की श्रीमती पवनरेखा राठिया राष्ट्रीय आजीविका मिशन बिहान योजना अन्तर्गत बी.सी. सखी के रूप में काम कर रही है। बी.सी.सखी के रूप में कार्य करके पवनरेखा को अलग पहचान मिली है और उसे लोग बैंक वाली दीदी कहकर बुलाते हैं। उन्होंने बताया कि वह मुस्कान स्वसहायता समूह की सदस्य है एवं पिछले 03 साल से बैंक सखी का कार्य कर रही है। पहले उनकी दिनचर्या कृषि कार्य और अपने रोजी-मजदूरी तक ही सीमित थी। अब वह बैंक सखी के रूप में नकटीखार करूमौहा, आंछीमार, बुन्देली, भुल्सीडीह, सिमकेंदा, सोल्वा, पसरखेत, मुदुनारा, लबेद, बताती, गेराव, कल्गामार, देवपहरी, लेमरू सहित अन्य पंचायतों में अपनी सेवाएं देतीं हैं। ऑनलाइन रूपए ट्रांसेक्शन के साथ ही सभी समूह की महिलाओं को ऑनलाइन पैसे ट्रांसेक्शन एवं कैशलेस की भी जानकारी देती है। उन्होंने बताया कि इस कार्य को करने के लिए जिला पंचायत के द्वारा आरसेटी में एक माह का प्रशिक्षण भी दिया गया है। पवनरेखा ने बीसी सखी के रूप में अब तक 82 लाख 62 हजार 520 रूपए का वित्तीय लेनदेन किया है, जिससे उन्हें लगभग 01 लाख रूपए तक की आमदनी प्राप्त हुई है।

वर्तमान में वह आर्थिक रूप से सशक्त होकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में विशेष रूप से योगदान दे रही हैं। साथ ही अपने बच्चों की पढ़ाई अच्छे स्कूल में करा पा रही है। आर्थिक बढोत्तरी के अलावा सामाजिक क्षेत्रों में भी सशक्त होकर दूसरों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन रही है और परिवार में उनका सम्मान बढ़ गया है। पवनरेखा ने छत्तीसगढ़ शासन और जिला प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान जैसे योजना से आज मैं अपनी अलग पहचान बनाकर अपने पैरों पर खड़ी हूं।

जनचौपाल में 41 आवेदन आएं

रायपुर। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे द्वारा लगाए गए जन चौपाल में 41 आवेदन प्राप्त हुए। यह कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित हुई। इसमें गांव विद्युतीकरण, आदर्श पाठशाला में अहाता निर्माण, आत्मानंद स्कूल में प्रवेश सहित अन्य आवेदन शामिल थे। डॉ भुरे ने जनचौपाल में पहुंचे आमजनों से उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए एवं नियमानुसार त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। जन चौपाल में ग्राम पंचायत कुर्रा के सरपंच श्री रविशंकर वर्मा ने आदर्श प्राथमिक शाला के छत मरम्मत एवं स्कूल के खेल-मैदान के अपूर्ण अहाता को पूर्ण कराने का आग्रह किया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

युवा मतदाताओं को मतदान के लिए किया गया प्रेरित

रायपुर। आगामी विधानसभा चुनाव के परिपेक्ष्य में जिले में मतदाता अभियान जागरूकता चलाया जा रहा है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण द्वितीय चरण 2023 के अंतर्गत सोमवार को बीरगांव के शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय में जिला पंचायत के सीईओ श्री अबिनाश मिश्रा ने विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि मतदान लोकतंत्र का आधार एवं संविधान से मिला अधिकार भी है। अत: हम सभी को देशहित में अवश्य इसका उपयोग करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को शत प्रतिशत एवं अनिवार्य रूप से मतदान के लिए भी शपथ दिलाई गई। चर्चा में मतदाताओं को नवीन मतदाताओं को वोटर हेल्पलाइन एप्प एवं सक्षम एप्प के बारे में रोचक तरीके से जानकारी दी गई। वहां ऐसे कई युवा उपस्थित थे जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं था। उन्हें उचित तरीके से मतदान करने के बारे में बताया गया। साथ ही महाविद्यालय में अभिहित अधिकारी का भी परिचय कर कराया गया, ताकि सभी विद्यार्थी जिनकी आयु 18 वर्ष हो चुकी है, वह अपना नाम चाहे ऑनलाइन, वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से अथवा अभिहित अधिकारी को आवश्यक दस्तावेज देकर दर्ज करा सके। साथ ही ईव्हीएम के बारे में जानकारी दी गई और यह भी बताया गया कि सही तरीके से अपना वोट डालें, ताकि उनका वोट खराब ना हो। इस दौरान युवाओं को जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं हुआ है, उन्हें फॉर्म 6 भरकर नवीन मतदाता बनने तथा फॉर्म 6 बी के माध्यम से मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड से जोड़ने के बारे में बताया गया। इसके अलावा फॉर्म 8 के माध्यम से नाम, लिंग तथा पत्ता आदि में हुई त्रुटि सुधार एवं सक्षम एप की जानकारी भी दी गई। उल्लेखनीय है कि इस बार जागरूकता अभियान का केन्द्र युवा मतदाता श्रमिक और कम मतदान का प्रतिशत वाले कॉलोनी, मोहल्ले इत्यादि है। स्वीप की टीम द्वारा युवा मतदाता सूची में जोड़ने और मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस अवसर पर एडिशनल जिला पंचायत सीईओ श्री हरिकृष्ण जोशी भी उपस्थित थे।

भाजपा महिला मोर्चा कांग्रेस पार्टी की नकल रही है-वंदना

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव आते ही भाजपा महिला मोर्चा की नौटंकी करने की शुरूआत हो गई है। 2019 में स्मृति ईरानी महंगाई को लेकर लकड़ी के चूल्हे में खाना बनाने की एक्टिंग बहुत की। सत्ता में आते ही बेलगाम महंगाई देखकर मौन हो गयी। वैसे ही छत्तीसगढ़ प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा महिलाओं को गुमराह करने की भसक प्रयास कर रही है। 15 साल के शासन में छत्तीसगढ़ के रीति, छत्तीसगढ़ रिवाज, छत्तीसगढ़ के परंपरा को अनदेखा किये थे, छत्तीसगढिया को हीनभावना से देखा जाता था, पिछले साढ़े चार साल से कांग्रेस सरकार में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ के संस्कृति, छत्तीसगढ़ के परंपरा, छत्तीसगढ़ के रीति-रिवाज, छत्तीसगढ़ के त्यौहार को मान और सम्मान के साथ आगे बढ़ाने का काम किया। आज गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ के गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा को मजबूरी में ही सही ये स्वीकार करना पड़ा कि छत्तीसगढिया सबले बढिया। यही कांग्रेस की जीत है। आज भाजपा छत्तीसगढिया वाद को अपना रहे है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हर वर्ग के हित को ध्यान में रखकर काम किये है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भादो महीना आते ही महिलाएं बहुत उत्साहित रहती है कि अपने मायके मुख्यमंत्री निवास जाकर हम तीजा का त्यौहार मनायेंगे। मुख्यमंत्री निवास में मायका जैसे ही स्नेह मिलता है, मान-सम्मान मिलता है। जो पिछले पूर्ववर्ती रमन सिंह के 15 साल के कार्यकाल में कभी भी महिलाओं को सम्मान नहीं मिला था। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा महिला मोर्चा कांग्रेस पार्टी की नकल रही है। भाजपा शासन की कुशासन को 15 साल प्रदेश की महिलाओं ने देखा है और बहुत अच्छे से समझती है कि भाजपा महिलाओं को वोट बैंक मानती है। सत्ता यदि मिल जाती है तो महिलाओं के ऊपर ही सबसे ज्यादा अत्याचार होता है।

सरकार की नीतियों से प्रदेश में आई खुशहाली

हमारी सरकार ने सभी वर्ग के लोगों के आर्थिक विकास की योजनाएं तैयार की : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हमारी सरकार ने सभी वर्ग के लोगों के आर्थिक विकास की योजनाएं तैयार की। न केवल छत्तीसगढ़ आर्थिक विकास की राह पर आगे बढ़ा अपितु छत्तीसगढ़ के लोगों में गौरव भाव भी बढ़ा है। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक निजी टीवी चैनल द्वारा आयोजित छत्तीसगढ़ कान्क्लेव में कही। मुख्यमंत्री ने इस दौरान चर्चा में कहा कि हमने नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक विकास की ठोस नींव रखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 13 हजार नाले रिचार्ज किये। जहां भी यह काम हुआ, 7 सेमी से 13 सेमी तक जलस्तर बढ़ गया।

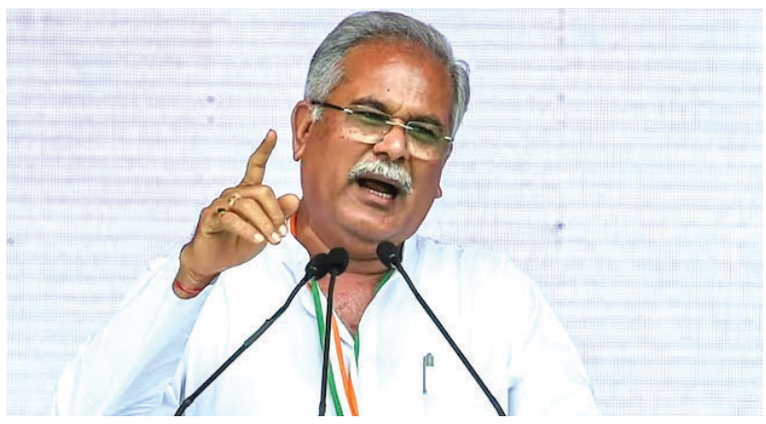

किसानों को काफी लाभ हुआ। एक फसल तो बची ही, दूसरे फसल के लिए भी पानी मिल गया। गरुवा योजना में गौ संरक्षण पर काम किया। 1 लाख 56 हजार हेक्टयर खेत सुरक्षित किये। गौठानों में मुर्गी पालन, मत्स्यपालन जैसी अन्य गतिविधियां शुरू की। 2 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार मिला। हमारे आधे से अधिक गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं। यह व्यवस्था स्थायी रूप से लोगों को लाभ देगी। नक्सली घटनाओं की वजह से हमारे अनेक स्कूल बंद हो गए थे। हमने जगरगुंडा जैसे जगह में स्कूल पुन: आरम्भ कराए। 1100 करोड़ रुपये की लागत से स्कूलों का जीर्णोद्धार प्रावधान में रखा गया। स्कूलों की पुताई गोबर से बने प्राकृतिक पेंट से की। हमने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल आरम्भ कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने ऐसे क्षेत्रों में इंग्लिश मीडियम स्कूल आरम्भ कराए। अंदरूनी क्षेत्रों में भी स्कूल आरम्भ कराए। हमारे स्कूलों में एडमिशन की बड़ी डिमांड है। स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि स्वास्थ्य में सारे पद भरे हुए हैं। पहले सर्जरी के लिए बाहर जाना होता था। अब जिलों में ही होता है। बलरामपुर में डायलिसिस हो जाता है। ओडिशा से मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं। यहां हाट बाजार में जाने की परंपरा है। हमने इसका लाभ उठाया और वहीं इलाज की सुविधा दी। लोग अस्पताल नहीं जाते लेकिन यहां जाते हैं तो इलाज कराते हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की बात करें तो आप कहते हैं कि हिंसा कम हुई है। फिर भी एक हादसा भी हो तो तकलीफ होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले अरनपुर जाना ही कठिन था। हमने लोगों का विश्वास जीता। लोगों को सुविधा दी। आपस में विश्वास का माहौल पैदा किया। आदिवासियों की जमीन वापस की। वनाधिकार पट्टा दिया। वनोपज खरीदे। हमने कोदो कुटकी का समर्थन मूल्य घोषित किया।

भारत का सबसे बड़ा मिलेट का प्लांट हमारे यहां लगा है। अब समर्थन मूल्य घोषित हुआ तो लोगों को लाभ हुआ। इंग्लैंड में हमारा महुआ जा रहा है। वनोपजों की अच्छी कीमत दिलाने में हम सफल रहे हैं। हमने देवगुड़ियों का जीर्णोद्धार किया। घोटुल का जीर्णोद्धार किया। आसना में बादल बनाया ताकि बस्तर के आर्ट को सहेजा जा सके। बस्तर में सांस्कृतिक समृद्धि बहुत है इसे सहेजने हम कार्य कर रहे हैं। राज्य की संपदा में व्यक्ति का अधिकार है।

राज्य की संपदा का वितरण ऐसे करें जिससे सबको लाभ मिले। तेजी से महंगाई बढ़ रही है। ऐसे में लोगों की महंगाई से सुरक्षा करनी भी जरूरी है। लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करना होता है। व्यापारी वर्ग के सम्मेलन में मुझसे कहा गया कि आपकी योजनायें मजदूरों, किसानों के लिए है इससे हमको क्या लाभ मिला। मैंने कहा कि मैंने आपके ग्राहकों की जेब में ही तो पैसे डाले हैं। देश भर में कोरोना से आर्थिक मंदी आई। छत्तीसगढ़ इससे अछूता रहा। कान्क्लेव के प्रस्तोता ने मुख्यमंत्री से गेड़ी सिखाने का आग्रह किया और मुख्यमंत्री ने उन्हें गेड़ी चढ़कर इसे सिखाया।

विश्व आदिवासी दिवसः वन विभाग द्वारा 500 करोड़ रुपए का होगा वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विश्व आदिवासी दिवस 09 अगस्त को आयोजित वृहद स्तरीय कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग अंतर्गत 472 करोड़ 31 लाख रूपए की राशि का वितरण किया जाएगा। इनमें तेंदूपत्ता संग्राहकों को 424 करोड़ रूपए से अधिक का प्रोत्साहन पारिश्रमिक तथा वन प्रबंधन समितियों को 44 करोड़ रूपए की लाभांश राशि का वितरण होगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा राज्य में तेंदूपत्ता संग्राहकों को दी जाने वाली तेंदूपत्ता संग्राहक राशि में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। साथ ही तेंदूपत्ता संग्राहकों के कल्याण के लिए सामाजिक तथा सामूहिक सुरक्षा बीमा आदि अनेक योजनाएं भी संचालित की जा रही है। गौरतलब है कि वर्ष 2018 में देय तेंदूपत्ता का संग्रहण पारिश्रमिक 2 हजार 500 रूपए प्रति मानक बोरा था, जिसे तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में राज्य सरकार द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वर्ष 2019 में बढ़ाकर 4 हजार रूपए प्रति मानक बोरा किया गया। साथ ही तेंदूपत्ता संग्राहकों को बोनस के रूप में प्रोत्साहन पारिश्रमिक का भी वितरण किया जा रहा है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य के जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रम में प्रोत्साहन पारिश्रमिक तथा लाभांश राशि के सुव्यवस्थित वितरण के लिए वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के निर्देशानुसार प्रमुख सचिव वन श्री मनोज पिंगुआ के मार्गदर्शन में वन विभाग द्वारा तैयारियां जोरो पर है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव द्वारा इसके लिए समस्त मुख्य वन संरक्षकों तथा वनमण्डलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

छत्तीसगढ़ में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर तेंदूपत्ता संग्राहकों को 424 करोड़ 11 लाख रुपए का प्रोत्साहन पारिश्रमिक वितरित किया जाएगा। इसके अंतर्गत वर्ष 2021 में लाभ में रही 733 समितियों के 9 लाख 49 हजार 944 संग्राहकों को 163 करोड़ 62 लाख रुपए की प्रोत्साहन पारिश्रमिक का वितरण किया जाएगा। इसी प्रकार संग्रहण वर्ष 2022 के लिए लाभ में रहीं 661 समितियों के 8 लाख 61 हजार 772 संग्राहकों को 260 करोड़ 49 लाख रुपए का प्रोत्साहन पारिश्रमिक का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक श्री अनिल कुमार राय ने दी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा तेंदूपत्ता के व्यापार से होने वाले लाभ का प्रोत्साहन पारश्रमिक संग्राहकों को वितरण किया जाता है।

जनप्रतिनिधियों एवं कलेक्टर ने फसल बीमा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता साहू, जिला पंचायत सदस्य राजेश श्यामकर, पार्षद कुलबीर छाबड़ा एवं कलेक्टर डोमन सिंह ने पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा प्रचार रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

यह प्रचार रथ जिले के विभिन्न ग्रामों में पहुंचकर किसानों को खरीफ 2023 में फसल टमाटर, बैगन, अमरूद, केला, पपीता, मिर्च एवं अदरक के लिए बीमा कराने हेतु जागरूक करेगी।

उप संचालक कृषि नागेश्वर लाल पाण्डे ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य शासन द्वारा साग-सब्जी एवं फलों की खेती करने वाले किसानों को प्रतिकूल मौसम से होने वाले क्षति से बचाने के लिए पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना लागू की गई है। इसके तहत इच्छुक ऋणी-अऋणी किसान खरीफ उद्यानिकी फसल के लिए 16 अगस्त 2023 तक अपने नजदीकी लोक सेवा केन्द्र, बैंक शाखा, सहकारी समिति या बीमा कम्पनी, भारतीय कृषि बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर अपने उद्यानिकी फसलों का बीमा करा सकते हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि सहित जिला पंचायत सीईओ अमित कुमार व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में किसानों की समृद्धि, खेती में बढ़ते रुझान और 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी के फैसले से भाजपाई चिंतित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि भूपेश सरकार ने प्रमाणित किया है कि किसान पुत्र ही किसानों की समृद्धि के लिए आवश्यक नीतियों को व्यवस्थित तरीके से धरातल पर उतार कसता है। चाहे किसानों की कर्जमाफी की बात हो या वादे से अधिक धान की कीमत, भूपेश सरकार किसानों से किए अपने हरेक वादे पर खरी उतरी है। विगत साढ़े चार वर्षों में छत्तीसगढ़ में 3 लाख 37 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचाई का रकबा बढ़ा है।

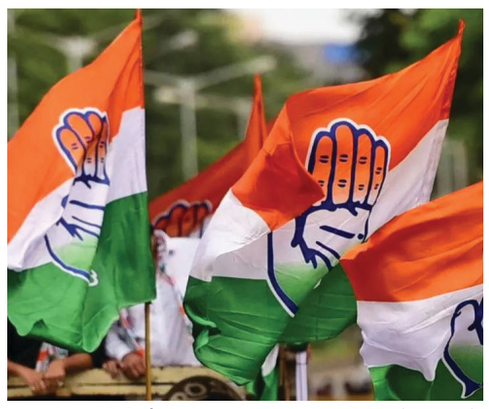

6 लाख से अधिक कृषि पंपों को 10900 करोड़ की राहत, नि: शुल्क और रियायती बिजली के तौर पर दी जा रही है। धान खरीदी के हर साल नए रिकॉर्ड बनाने के बाद अब प्रति एकड़ 20 क्विंटल खरीदी का ऐतिहासिक निर्णय छत्तीसगढ़ में किसानों की समृद्धि की दिशा में निर्णायक कदम है। विगत खरीफ सीजन में 1 लाख 7 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी के बाद आगामी खरीफ सीजन में 135 से 140 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। 15 साल रमन सिंह के कुशासन में कभी बोनस, कभी रतन जोत, कभी औषधि खेती, कभी फसल बीमा, तो कभी मुफ्त बिजली कनेक्शन के नाम पर किसानों को ठगा गया। असलियत यही है कि भाजपा आदतन किसान विरोधी है। 15 साल के रमन राज में छत्तीसगढ़ का किसान लगातार बदहाल होता रहा। नकली बीज, नकली दवा, नकली खाद के अवैध कारोबारियों को भाजपाई संरक्षण प्राप्त था। कृषि उपकरणों पर दिए जाने वाले सब्सिडी के लिए काउंटर तय हुआ करते थे। भूपेश बघेल सरकार ने उस व्यवस्था को खत्म करके सब्सिडी हितग्राहियों के खातों में सीधे जमा कराने की व्यवस्था की।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा कि 2014 में केंद्र की मोदी सरकार ने वादा किया था देश के किसानों से स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिश के अनुरूप सी 2 फार्मूले पर 50 प्रतिशत लाभ देते हुए एमएसपी देने का, क्या हुआ उस वादे का? तीन कृषि काले कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के समय प्रधानमंत्री ने देश के किसानों से वादा किया था एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए कमेटी बनाने का आखिर क्या हुआ उस वादे का? डीजल पर सेंट्रल एक्साइज में 10 गुना वृद्धि।

सत्ता पोषित संरक्षण और मुनाफाखोरी के चलते खाद, बीज, कीटनाशक में बेलगाम महंगाई की मार, पोटास की कीमत एक साल में 140 प्रतिशत वृद्धि लेकीन एमएसपी में वृद्धि मात्र 7 प्रतिशत? किसान विरोधी मोदी सरकार में खाद सब्सिडी में हर साल लगभग 25 प्रतिशत कटौती कर रही है। विगत बजट में खाद सब्सिडी के बीच 1 लाख 40 हजार करोड़ का प्रावधान था जिसे इस बजट में सीधे 35 हजार करोड़ घटाकर 1 लाख 5 हजार करोड़ कर दिया। छत्तीसगढ़ में तो भूपेश सरकार ने बिना भेदभाव के राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत 9000 धान के किसानों और 10000 रुपए अन्य फसल लेने वाले किसानों को प्रति एकड़ छत्तीसगढ़ के सभी किसानों को दे रही है।

छत्तीसगढ़ में मिलेट्स देश और दुनियां में सर्वाधिक कीमत पर किसानों से खरीदी की जा रही है। मिलेट्स के किसानों को कोदो 3000 रूपए प्रति क्विंटल, कुटकी 3100 रूपए और रागी 3578 रूपए प्रति क्विंटल केवल छत्तीसगढ़ में मिल रहा है। छत्तीसगढ़ का किसान भाजपा के किसी वादे पर भरोसा नहीं करेगा, भूपेश सरकार पर किसानों का भरोसा लगातार बढ़ रहा है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

ब्रेड खाएं या ना खाएं!

ब्रेड से सुविधाजनक आहार क्या हो सकता है? अपने कई रूपों में ब्रेड हमारी थाली का हिस्सा बन चुकी है। यही वजह है कि जब इसकेनुकसान से जुड़े शोध व समाचार आते हैं तो हमें बेचैनी होने लगती है। ब्रेड का सेहत के साथ क्या रिश्ता है, बता रही हैं

● शमीम खान

ब्रेड केवल नाश्ते में ही नहीं खाई जाती। इसका दायरा स्नैक्स, लंच और डिनर तक पहुंच चुका है। बच्चों से लेकर बड़े सभी खाते हैं। ब्रेड के इसी बढ़ते सेवन ने सेहत विशेषज्ञों को चिंतित कर दिया है। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायर्नमेंट (सीएसई) के हाल के एक अध्ययन के अनुसार सभी तरह की ब्रेड (वाइट, ब्राउन, मल्टीग्रेन्स, होल वीट, पाव, बन्स और पिज्जा बेस) में कार्सिनोजन्स केमिकल्स होते हैं, जो कैंसर और थाइरॉएड रोगों का कारण बनते हैं। हमारे यहां बिकने वाली तमाम ब्रेड के 84 ब नमूनों में पोटेशियम ब्रोमेट व पोटेशियम आयोडेट पाया जाता है। इन ऑक्सिडाइजिंग एजेंट्स पर कई देशों में प्रतिबंध लगा है। इनका उपयोग ब्रेड को फुलाने, मुलायम बनाने और अच्छी फिनिशिंग देने के लिए किया जाता है।

ब्रेड को आज 'डाएट्री विलेन' के रूप में देखा जा रहा है। पर सच यह भी है कि इसमें कुछ पोषकता भी होती है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इनमें जटिल कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो ऊर्जा का अच्छा स्रोत हैं। ब्रेड में रेशा यानी फाइबर अधिक मात्रा में होता है, जिससे पेट भरा हुआ लगता है और भूख कम लगती है। इसमें यीस्ट होता है, जिससे हमें विटामिन-बी12 और थोड़ी मात्रा में प्रोबायोटिक मिलता है। इसलिए कभी-कभी थोड़ी मात्रा में खाने में कोई परेशानी नहीं है। ब्रेड में फॉलिक एसिड और आयरन भी होता है।

ब्रेड के कुछ प्रकार

वाइट ब्रेड : वाइट ब्रेड यानी सफेद ब्रेड, आमतौर पर मैदे से बनाई जाती है। इसमें कई ब्लीचिंग एजेंट्स जैसे पोटेशियम ब्रोमेट, एजोडिकार्बोनामाइट आदि का इस्तेमाल किया जाता है, जिन्हें सेहत के लिए हानिकारक माना जाता है। प्रोसेसिंग के दौरान इसके अधिकतर पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। फाइबर कम हो जाता है, जिससे पाचन धीमा होता है। कब्ज हो सकता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने से खून में शर्करा बढ़ाने वाली होती है यह।

होल ग्रेन ब्रेड : होल ग्रेन ब्रेड यानी साबुत अनाज से बनी ब्रेड में विटामिन और मिनरल प्रचुर होते हैं, जो शरीर को ठीक रखने के लिए जरूरी हैं। फाइबर भी ज्यादा होता है। इससे वजन कम करने में भी सहायता मिलती है।

होल वीट ब्रेड: यह साबुत गेहूं से बनाई जाती हैं, जिसमें चोकर भी होता है। फाइबर की अधिकता वजन नियंत्रित करने में सहायता करती है। इससे पाचन तंत्र ठीक रहता है। विटामिन बी, ई, फॉस्फोरस, आयरन और जिंक होते हैं, जो मानसिक सेहत के लिए अच्छे होते हैं।

मल्टीग्रेन ब्रेड : मल्टीग्रेन ब्रेड में ओट्स, जौ, गेहूं, ज्वार, अलसी व अन्य कई अनाज होते हैं। यह पोषक तत्वों और फाइबर से भरपूर होती हैं। अगर ब्रेड खाने के शौकीन हैं तो होल ग्रेन ब्रेड और मल्टीग्रेन ब्रेड बेहतर विकल्प हैं।

कुछ नुकसान भी हैं

ब्रेड में कैलरी की मात्रा बहुत अधिक होती है। वाइट ब्रेड की एक स्लाइस में 75 कैलरी, ब्राउन ब्रेड की एक स्लाइस में 73 कैलरी और मल्टीग्रेन की एक स्लाइस में 69 कैलरी होती है। इनमें ट्रांस फैट और शुगर भी अधिक होती है। यही वजह है कि अधिक ब्रेड खाना नुकसान पहुंचाता है। यूरोपियन कांग्रेस ऑन ओबेसिटी में प्रस्तुत किए गए एक शोधपत्र के अनुसार रोज दो स्लाइस से अधिक वाइट ब्रेड खाने वालों में मोटापा बढ़ने की आशंका 40ब तक बढ़ जाती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्युट्रिशन में प्रकाशित एक अन्य शोध के अनुसार वाइट ब्रेड अधिक खाने से टाइप-2 डायबिटीज का खतरा बढ़ जाता है। ब्रेड का शरीर पर असर इस पर निर्भर करता है कि हम कौन सी व कितनी ब्रेड खाते हैं।

वजन बढ़ना : इसमें सफेद ब्रेड ज्यादा हानिकारक साबित होती है। सभी ब्रेड में कार्बोहाइड्रेट और शुगर अधिक होते हैं। नमक और कई प्रिजर्वेटिव्स भी होते हैं। अधिक ब्रेड खाना यानी अधिक कैलरी लेना, इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना उचित होता है।

पोषक तत्वों की कमी : ब्रेड अधिक खाने से आप दूसरी चीजों का सेवन कम करते हैं, जिससे शरीर को पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिल पाते।

एलर्जिक रिएक्शन : जिन लोगों को गेहूं या ग्लुटन से एलर्जी है, उन्हें ब्रेड खाने के बाद पेट में मरोड़, पेट फूलना और गैस की समस्या जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

मिथक और तथ्य

मिथक: वजन बढ़ जाता है

तथ्य : अगर आप संतुलित भोजन करते हैं तो थोड़ी मात्रा में ब्रेड खाने में कोई नुकसान नहीं है। वजन कम करना चाहते हैं तब भी। केवल वाइट ब्रेड से बचें, क्योंकि रिफाइनिंग प्रोसेस के दौरान इसके विटामिन, मिनरल और फाइबर नष्ट हो जाते हैं। होल ग्रेन या मल्टी ग्रेन ब्रेड खाएं, इससे पेट भी भरेगा और भूख भी नियंत्रित रहेगी।

मिथक : ग्लुटन फ्री ब्रेड सेहतमंद होती हैं

तथ्य : ग्लुटन फ्री लेबल सेहत की गारंटी नहीं है। सच तो यह है कि ग्लुटन के विकल्प के रूप में शुगर और कई दूसरे हानिकारक पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है। जब ब्रेड के निर्माण में ग्लुटन का इस्तेमाल नहीं किया जाता, तब उसके विकल्प के रूप में जन्थान गम या कॉर्न स्टार्च का इस्तेमाल किया जाता है। अगर ग्लुटन से एलर्जी है, तभी ग्लुटन फ्री ब्रेड का विकल्प चुनें।

मिथक: ब्राउन ब्रेड होती हैं वाइट ब्रेड से अधिक पोषक

तथ्य : ब्राउन ब्रेड के नमूनों की जांच में यह बात सामने आई है कि इनमें वाइट ब्रेड की तुलना में शुगर की मात्रा अधिक होती है। इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें शुगर की मात्रा बढ़ाई जाती है। कई ब्राउन ब्रेड में रंग को गहरा करने के लिए कैरामल या ट्रिएकल मिलाया जाता है। यह सच है कि होल ग्रेन ब्रेड विटामिन, मिनरल और फाइबर से भरपूर होती हैं। शुगर और दूसरे स्वीटनर से बचने के लिए लेबल अवश्य पढ़ें।

मिथक : ब्रेड ब्लड शुगर बढ़ाती है

तथ्य : यह सही है कि ब्रेड में कार्बोहाइड्रेट होता है। खासकर रिफाइंड वाइट ब्रेड खाने से अचानक ब्लड का शुगर लेवल बढ़ जाता है और फिर थोड़े समय बाद एकदम गिर जाता है। जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है। ब्लड शुगर सही रखने के लिए जरूरी है कि इसे प्रोटीन या वसायुक्त उत्पादों के साथ खाएं।

इन बातों का ध्यान रखें

- ब्रेड को ठंडे और सूखे स्थान पर रखें।
- सूरज की सीधी किरणों के संपर्क से बचाएं।
- जहां तक संभव हो ब्रेड को कमरे के तापमान पर रखें। अगर ब्रेड फ्रिज में रखी है तो उसे कमरे के तापमान पर आने के बाद ही इस्तेमाल करें।
- ब्रेड में इस्तेमाल सामग्री के साथ उसकी एक्सपायरी डेट अवश्य जांच लें।

ब्रेड खाने का सही तरीका

- ब्रेड की सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें यीस्ट होता है, जिससे विटामिन-बी12 और प्रोबायोटिक मिलते हैं। सुबह नाश्ते में ब्रेड खाना एक अच्छा विकल्प है, पर बेहतर है इसे कम ही खाएं।
- ब्रेड को बहुत सारी सब्जियों के साथ खाएं, जिससे इन्हें पचाना आसान हो जाता है और शरीर में शर्करा भी धीरे-धीरे बनेगी।
- ब्रेड में कैलरी काफी अधिक होती है और और इसके साथ चीज स्प्रेड, जैम या बटर का इस्तेमाल कैलरी की मात्रा को और बढ़ा देता है। ब्रेड को टोस्ट करने के बाद इस पर शहद और काली मिर्च का पाउडर डालकर खाना भी अच्छा विकल्प हो सकता है। इससे उसमें कैलरी की मात्रा अधिक नहीं बढ़ेगी और पोषकता भी मिलेगी।
- ब्रेड मक्खन और जैम के साथ खाना पसंद है तो इनका इस्तेमाल कम मात्रा में करें। ब्रेड को वसा रहित दूध के साथ खा सकते हैं। उसे सब्जियों और स्प्राउट्स के साथ खाएं।
- रोस्टेड ब्रेड पर पीनट बटर (मूंगफली का मक्खन) लगाकर खा सकते हैं, इसमें कार्बोहाइड्रेट के साथ प्रोटीन भी मिलेगा।

कान दर्द से मिलेगी राहत

आप जल्द और सुविधाजनक यात्रा के लिए हवाई मार्ग का चयन करते हैं और फ्लाइट से कहीं आने-जाने में आनंद भी आता है लेकिन जब आप टेक ऑफ और लेंड करते हैं तो कानों में काफी पीड़ादायक होता है। असमान दबावों के कारण प्राय: कान में दर्द होता है। जब प्लेन उतरता है तो कानों के पर्दा में दबाव बढ़ जाता है। फ्लाइट में कान दर्द से बचने के लिए यहां कुछ तरीके बताये गये हैं।

नाकों से ध्वनि (ब्लोइंग) निकालें- कान के भीतर के वायु दबाव को आस-पास के वायु दबाव के बराबर करने के लिए यह सबसे आसान तरीका है। इससे बहुत जल्द कान दर्द से आराम मिलता है।

जम्हाई और निगलना (यॉनिंग और स्वॉलोविंग)- फ्लाइट उतरने के दौरान यूस्टेकियन ट्यूब को अनब्लॉक करने के लिए यॉनिंग और स्वॉलोविंग मसल्स को उत्तेजित करने में मदद करता है। जिससे कान दर्द से राहत मिलती है।

मिठाई खाएं- हवाई यात्रा के दौरान अगर आपको कान दर्द महसूस हो रहा हो तब मिठाई खाएं या चूसें और नाक से ध्वनि निकालें और मुंह में हवा भर कान में भरें। दवाब को नियंत्रित करें और इससे दर्द कम होगा।

दवा लें- अगर कान का दर्द सहन नहीं होता हो तो फ्लाइट टेक ऑफ और लेंड करने से एक घंटे पहले दर्दनिवारक दवा लें।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस से सावधान!

इन 15 लक्षणों को नजरअंदाज ना करें

मल्टीपल स्क्लेरोसिस यानी तंत्रिका तंत्र की बीमारी है जो ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड को प्रभावित करता है। इस बीमारी के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि अगर यह बीमारी लंबे समय तक बनी रहती है तो प्रभावित व्यक्ति को विकलांगता का शिकार होना पड़ता है। इस बीमारी के होनेवाले कारणों के बारे में अबतक पता नहीं लग पाया है।

हालांकि जानकारी के मुताबिक यह शरीर के इम्यून सिस्टम के कमजोर होने और माइलिन उत्पादक कोशिकाओं का बनना बंद होने से होती है। यह बीमारी आनुवांशिक और पर्यावरणीय कारकों से भी हो सकती है। यह बीमारी ज्यादातर 20 से 50 साल के लोगों में होती है लेकिन इसका शिकार बच्चे और प्रौढ़ भी हो सकते हैं।

इसलिए इन 15 लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

- विजन में समस्या
- हाथ-पैरों में झनझनाहट और उसमें कड़ापन
- थकान
- सरदर्द
- चक्कर आना
- मांसपेशियों में ऐंठन, जकड़न और कमजोरी
- शारीरिक संतुलन में दिक्कत
- मूत्राशय या आंत्र समस्याएं
- शरीर के किसी हिस्से में दर्द
- शरीर में कंपन होना
- सांस लेने में समस्या
- सोचने, सीखने और प्लानिंग में कोई समस्या
- अवसाद और चिंता
- बोलने में दिक्कत
- यौन समस्या

पुरानी ड्रेस को रखे नया

अकसर हम अपनी पसंदीदा ड्रेसेज को बार-बार पहनना चाहते हैं, ऐसे में इन्हें कई बार धोने या ड्राईक्लीन कराने से इनकी चमक खो जाती है। पर क्या आप चाहते हैं कि आपकी फेवरिट ड्रेस सालों तक एकदम नई बनी रहे, अगर हां, तो ये टिप्स सिर्फ आपके लिए ही हैं।

पानी जितना गर्म होगा आपके कपड़े उतनी ही साफ धुलेंगे। गर्म पानी ज़्यादातर हर कपड़े के लिए ठीक होता है, अस्तर और अधिक गंदे कपड़ों को गर्म पानी से धोने से इनमें मौजूद कीटाणु आसानी से खत्म हो जाते हैं। वहीं ठंडा पानी अधिकतर डेलिकेट कपड़ों को वॉश करने लिए इस्तेमाल किया जाता है।

- अगर आपके गारमेंट में डेलिकेट बटन्स लगे हुए हैं तो इन्हें किसी कपड़े से कवर करके इनपर प्रेस करें। इससे इनका कलर खराब नहीं होगा।
- अपनी ड्रेस को धोने से पहले इसके लेबल पर दिए गए इंस्ट्रकशन को अच्छे से पढ़ लें और उन्हीं के अनुसार इन्हें धोएं।
- जिन शर्ट या टॉप पर पसीने के दाग लग जाते हैं उन्हे वॉश करने से पहले उनपर लेमन जूस स्प्रे करें। नैचुरल एसिड
- ऐल्कलाइन पसीने के दाग को दूर करता है जिससे इनपर आने वाला पीला निशान असानी से हट जाता है।
- मैटेलिक फैब्रिक इन दिनों काफी चलन में है। इस फैब्रिक से बनी ड्रेसेज को हमेशा टिशू पेपर में लपेटकर रखना चाहिए।
- अगर आपकी ड्रेस में परफ्यूम लगा हुआ है तो इसे अलमारी में न रखें। इससे इसमें कीड़ा लग सकता है।
- अलमारी में हैंगर पर टंगी आपकी हर ड्रेस के बीच में थोड़ा-सा गैप जरूर होना चाहिए। इससे इनकी क्रीस खराब नहीं होगी।
- अगर आपकी ड्रेस पर खाना गिर गया है तो इसे तुरंत पानी से साफ कर लें। इससे उसपर निशान नहीं पड़ेगा।
- ड्रायर किए हुए कपड़ों को तुरंत सूखा दें। इससे इनपर सिलवटें नहीं आएंगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

भैंसमा महाविद्यालय में मानव मानव श्रृंखला बनाकर दिया गया मतदान का संदेश

कोरबा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर सौरभ कुमार एवं जिला नोडल स्वीप व मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप के मार्गदर्शन में मनोज खांडे उप जिला निर्वाचन अधिकारी के सहयोग से जिले के सभी विद्यालय एवं महाविद्यालयों में मतदान के प्रति युवाओं में जागरूकता लाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में विगत दिवस स्व. प्यारे लाल कंवर शासकीय महाविद्यालय भैंसमा में मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत महाविद्यालय के प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के साथ सुंदर मानव श्रृंखला का निर्माण कर मतदाताओं को मताधिकार का उपयोग करने हेतु जागरूक व प्रोत्साहित किया गया। मानव श्रृंखला का यह अनोखा दृश्य भैंसमा में पहली बार बनाया गया। श्रृंखला के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न आकृतियों का निर्माण कर मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। जिसमें मतदान जागरूकता संबंधी संदेश लोकतंत्र में हिस्सेदारी, हम सबकी है जिम्मेदारी, छोड़ कर अपने सारे काम, पहले करेंगे हम मतदान जैसे नारे लगाए गए। महाविद्यालय के स्वीप नोडल अधिकारी व सहायक प्राध्यापक दीपेश कुमार ने छात्र- छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी लोकतंत्र का आधार मतदान है। मतदाता की सक्रिय भागीदारी से देश का लोकतंत्र मजबूत एवं स्थायी बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकतंत्र की महता की जानकारी देते हुए बताया कि जनता द्वारा जनता के लिए जनता का शासन ही लोकतंत्र है। दीपेश ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी छात्र छात्राएं अपने गांवों में जाकर हर एक मतदाता को मतदान करने हेतु प्रेरित करें।

निलजा निपुण ने बनाया राइस बाउल ब्रांड, सपना एक दिन अंकल चिप्स को भी टक्कर देगा उनका प्रोडक्ट रीपा से मिला सहयोग

रायपुर। श्री निपुण रायपुर जिले के गांव निलजा निवासी हैं और वहीं रीपा में अपना छोटा सा उद्यम कर रहे हैं। उन्हें छत्तीसगढ़ शासन की रीपा योजना से सहयोग मिल रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि अपने प्रोडक्ट को प्रमोशन करने का और इसकी गुणवत्ता के लिए उनका काम बेहद खास है। वे सिर्फ छत्तीसगढ़ी व्यंजनों को प्रमोट कर रहें हैं और देश-विदेश के बाजारों में स्थापित करने की इच्छा रखते है। निपुण ने ऐसे क्षेत्र में कदम रखा है जिसके बारे में कोई भी उद्यमी नहीं सोचता। उन्होंने विशेष कर करौरी तथा चावल से बने अन्य उत्पादों को लेकर अपना उद्यम शुरू किया है। करौरी लोग भोजन के साथ अथवा खाने के साथ बड़े शौक से खाते हैं लेकिन पहली बार किसी ने इसे आकर्षक पैकेजिंग में बाजार में लाने का निश्चय किया है। वे भात बड़ी मुरकू, चावल से बना मिक्चर और चावल और रागी से बने बिस्किट बना रहें है। विशेष रूप से मेक्सिकन डिस नाचोस जो बाजार में डारिटोस के नाम से बिकता है। उसका छत्तीसगढ़िया चावल से निर्मित और हेल्दी रूप में प्रस्तुत कर रहें है। निपुण को रायपुर जिले के निलजा रीपा में जगह और शेड सहित मशीन मिला है जिसमें उद्यम संचालित कर रहें है। निपुण एग्रीकल्चर इंजीनियर है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने युवा उदयमिता के लिए अच्छा माहौल बनाया है। रीपा में अधोसंरचना है। बिजली है। पानी है। बैंक से लिंकेज है। मैंने मुख्यमंत्री को अपने कार्य के बारे में बताया।

जिले में गुणवत्तापूर्ण कीटनाशी एवं उर्वरक की उपलब्धता के लिए जांच की कार्रवाई

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह के निर्देशानुसार जिले के सभी विकासखंडों में अनुज्ञप्तिधारी आदान सामग्री विक्रेताओं द्वारा किसानों को मानकों के अनुरूप उर्वरक, बीज, कीटनाशकों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में भेजने एवं नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई लगातार की जा रही है। जिले में किसानों को गुणवत्तापूर्ण आदान सामग्रियों उर्वरक, बीज, कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए राज्य एवं जिला स्तर से जांच की कार्यवाही भी की जा रही हैं। इस संबंध में उप संचालक कृषि श्री नागेश्वर लाल पाण्डेय ने बताया कि राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सोमनी के मेसर्स-पीएनएच क्रॉप सांईस प्राईवेट लिमिटेड के कीटनाशी विनिर्माता के विनिर्माण स्थल में जांच की कार्रवाई की गई। जांच के दौरान कीटनाशी निरीक्षक सह कृषि विकास अधिकारी अविनाश दुबे, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एनके टेम्भरे एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारीमिथलेश साहू उपस्थित थे। करटाप हाईड्रोक्लोराईड, 500 ग्राम का 72 पैकेट एवं प्रोफेनोफॉस 40 प्रतिशत + सायफरमेथ्रीन 4 प्रतिशत, उत्पाद धर्मज क्रॉप गार्ड लिमिटेड, अहमदाबाद द्वारा मंगवाकर पुन: अपने परिसर में रिपैकिंग किया गया था।

किसानों को मांग अनुरुप मिले खादः मंत्री रविन्द्र चौबे

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। सहकारिता मंत्री रविन्द्र चौबे ने आज नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक (अपेक्स बैंक) के सभागार में सहकारिता विभाग के काम-काज की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने समितियों के गोदामों में रासायनिक खाद की उपलब्धता की जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी मांग के अनुरूप खाद प्रदान किया जाए। सहकारिता मंत्री चौबे ने किसानों की सुविधा के लिए एटीएम स्थापना में तेजी लाने के निर्देश दिए।

साथ ही लंबित सहकारी बैंकों की नवीन शाखाओं के लिए रिजर्व बैंक से शीघ्र ही आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। सहकारिता मंत्री रविन्द्र चौबे ने आगामी धान खरीदी की तैयारी के लिए आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पुराने बारदाने के कारण सोसायटियों को नुकसान न हो इसका ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि सोसायटियों को वित्तीय रूप से मजबूत किया जाना चाहिए। सहकारी बैंको में रिक्त पदों की भर्ती शीघ्र की जाए।

सहकारिता मंत्री चौबे द्वारा बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की भेंट मुलाकात के दौरान बस्तर तथा सरगुजा संभाग में सहकारी बैंकों की नवीन शाखा खोलने की घोषणा की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि बस्तर संभाग में 07 स्थानों में तथा सरगुजा संभाग में 03 जगहों में नवीन शाखा खोलने की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। बस्तर में 07 एटीएम तथा सरगुजा में 05 स्थानों पर एटीएम लगाए जा चुके हैं। सहकारिता विभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कुल 135 एटीएम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरुद्ध अब तक 86 एटीएम स्थापित किये गए हैं। बैठक में चालू खरीफ 2023 सीजन में किसानों को ब्याज मुक्त कृषि ऋण वितरण की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में सहकारिता के माध्यम से अब तक 7000 करोड़ रूपए के निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 13.62 लाख किसानों को 6067 करोड़ रूपए का कृषि ऋण वितरण किया गया है। बैठक में बताया गया कि खरीफसीजन के लिए कुल 8 लाख मेट्रिक टन खाद वितरण का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरुद्ध 6 लाख 91 हजार मेट्रिक टन खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है। समितियों के गोदामों में अभी 1 लाख 10 हजार मेट्रिक टन खाद की उपलब्धता है। समितियों में खरीफ फसल हेतु कुल 451370 क्विंटल बीज का भंडारण किया गया है, जिसमें से 397705 टन किसानों द्वारा उठाव कर लिया गया है।

बैठक में 725 नवीन समितियों में गोदाम सह कार्यालय निर्माण की समीक्षा के दौरान जानकारी दी गई कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा गोदाम सह कार्यालय निर्माण के लिए 185 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रति सोसाइटी में 25.56 लाख रूपए की लागत से गोदाम सह कार्यालय निर्माण किया जा रहा है। अब तक 71 गोदाम का निर्माण पूर्ण हो चुका है, शेष निर्माणाधीन हैं। बैठक में सहकारिता क्षेत्र में शक्कर कारखाना में शक्कर निर्माण तथा इथेनॉल प्लांट की स्थापना की समीक्षा की गई। बैठक में सहकारिता मंत्री द्वारा पिछली धान खरीदी के सुचारू संचालन तथा किसानों को डीबीटी के माध्यम से खाते में राशि अंतरण पर सहकारिता अधिकारियों, बैंक कर्मचारियों को बधाई दी गई। बैठक में अपेक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चन्द्राकर, अपेक्स बैंक संचालक द्वारिका साहू, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्षगण - अम्बिकापुर रामदेव राम, जगदलपुर शंकर ध्रुवा, बिलासपुर प्रमोद नायक, रायपुर पंकज शर्मा, दुर्ग राजेन्द्र साहू, राजनांदगांव नवाज खान, सचिव सहकारिता हिम शिखर गुप्ता , पंजीयक रमेश कुमार शर्मा, मार्कफेड प्रबंध संचालक मनोज सोनी, अपर पंजीयक हितेश दोशी, अपर पंजीयक एच के नागदेव, अपेक्स बैंक प्रबंध संचालक के एन कांडे , उप सचिव पी एस सर्पराज, सहकारिता विभाग और अपेक्स बैंक के अधिकारी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों के सीईओ मौजूद थे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती भेड़िया कई गांवों में विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने आज बालोद जिले के डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम पण्डेल, पथराटोला एवं अरमुरकसा में पहुंच कर मंगल भवन का भूमि पूजन किया।

श्रीमती भेड़िया ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में छत्तीसगढ़ सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर विकास की नई इबारत लिखा है। उन्होने राज्य सरकार द्वारा संचालित राजीव गांधी किसान न्याय योजना, भूमिहीन किसान मजदूर न्याय योजना, बेरोजगारी भत्ता योजना ,गोधन न्याय योजना जैसी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को राज्य के विकास के लिये मील का पत्थर बताया।

उन्होने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति, रीति-रिवाज, खान पान, परंपरा आदि का संरक्षण और संवर्धन करने का कार्य कर रही है। इसके साथ ही राज्य सरकार ने गरीब बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना, 65 प्रकार की लघु वनोपज की खरीदी जैसे अनेक अभिनव कार्यो की शुरूआत की है । इस दौरान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्री पुनीत सेन सहित कई जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक

सड़कों पर पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने किए जायें जरूरी प्रयास

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य की सड़कों पर आवारा पशुओं के कारण हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में गठित समिति की तृतीय बैठक सम्पन्न हुई।

मुख्य सचिव ने सड़कों पर पशुओं के आने से हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों तथा एजेंडा बिंदुओं पर पशुपालन विभाग ,नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायत विभाग द्वारा अब तक की गई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की। राज्य की ऐसी चिन्हांकित सड़कें जहां प्राय: पशुओं का सड़क पर विचरण होता है इन कैचमेंट एरिया में आने वाली ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों की सूची के मैपिंग कार्य को अद्यतन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जहां पर पशुओं को रखा जाना है ,वह स्थान तथा पहुंच मार्ग सूखा होना चाहिए यह सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है। विभागो द्वारा अवगत कराया गया कि पशुपालकों एवं जन सामान्य को पशुओं के

सड़कों पर आने से होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा चिन्हांकित स्थानों पर स्टॉफलगाने के कार्य की प्रगति से अवगत कराया गया। बैठक में अन्य राज्यों में पशुओं को सड़कों पर आने से रोकने के बेस्ट प्रैक्टिस का अध्ययन करने के पश्चात मुख्य बिदुओ से अवगत कराया गया। बैठक में पशुपालन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय प्रशासन, परिवहन, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण, विधि एवं विधायी कार्य विभाग सहित अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड ऐजेंसी सड़क सुरक्षा भी शामिल हुए।

पार्क के बेहतरीन परिवेश एवं उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की

प्रभारी मंत्री ने किया जिला मुख्यालय बालोद में पर्यावरण पार्क का शुभारंभ

श्रीकंचपनथ न्यूज

बालोद। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण विधि-विधायी कार्य विभाग तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने आज जिला मुख्यालय बालोद में जुर्रीपारा के समीप दल्लीराजहरा मार्ग में स्थित पर्यावरण पार्क का शुभारंभ किया।

इस दौरान उन्होंने तांदुला नदी के समीप प्रकृति के मनोरम वादियों के बीच स्थित इस सुंदर पर्यावरण पार्क की बेहतरीन परिवेशन तथा शासन के द्वारा उपलब्ध कराए गए सुविधाओं की मुक्तकंठ से सराहना की।

उन्होंने आशा व्यक्त किया कि जिला मुख्यालय बालोद में स्थित यह पर्यावरण पार्क यहॉ आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र बनेगा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव श्री कुंवर सिंह निषाद, संजारी-बालोद विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा, नगर पालिका परिषद बालोद के अध्यक्ष श्री विकास चोपड़ा, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती चंद्रप्रभा सुधाकर, पूर्व विधायक भैय्याराम सिन्हा के अलावा मुख्य वन संरक्षक दिलराज प्रभाकर, कलेक्टर कुलदीप शर्मा, पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र कुमार यादव, वनमण्डलाधिकारी आयुष जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मंत्री मोहम्मद अकबर एवं श्रीमती अनिला भेंडिया ने जनप्रतिनिधियों के साथ ईको फ्रेण्डली वाहन से पर्यावरण पार्क का भ्रमण कर पार्क में तैयार किए गए विभिन्न स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने पार्क में औषधि एवं फलदार आदि विभिन्न प्रजाति के पौधों का अवलोकन कर उसकी भूरी-भूरी सराहना की। इस दौरान मंत्रियों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने पर्यावरण पार्क में पौधारोपण भी किया।

तीन दिवसीय संभाग स्तरीय बैटमिंटन प्रतियोगिता का हुआ समापन

श्रीकंचपनथ न्यूज

बीजापुर । बीजापुर जिला मुख्यालय के बांसागार स्थित बैटमिंटन हॉल में तीन दिवसीय संभाग स्तरीय बैटमिंटन प्रतियोगिता आयोजित हुआ। जिसमें बस्तर संभाग के बैटमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम का समापन 6 अगस्त 2023 को हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री शंकर कुड़ियम ने सभी विजेता खिलाड़ियों को पुरुस्कार के रुप में नगद राशि, शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उन्हें जीत की शुभकामनाएं दी और हमेशा मेहनत और लगन से निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु प्रोत्साहित किया। वहीं जो खिलाड़ी प्रतियोगिता में जीत नहीं पाए उन्हें निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। निरंतर प्रयास से एक दिन हार भी जीत

में तब्दील हो जाती और मेहनत और लगन से प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के सदस्य श्री प्रवीण डोंगरे ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर डीआईजी दंतेवाड़ा श्री कमलोचन कश्यप, डीएफओ श्री अशोक पटेल , जिला खेल अधिकारी श्री दिलीप उईके विशेष रुप से उपस्थित थे।बीजापुर के राष्ट्रीय स्तर की बैटमिंटन खिलाड़ी कु. लक्ष्मी मांझी ने इस आयोजन के लिए जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह का आयोजन होते रहना चाहिए, जिसमें खिलाड़ियों को प्रतियोगिता देखकर उनकी प्रतिभा में निखार आती है। इस प्रतियोगिता में लक्ष्मी मांझी सिंगल, डबल में विनर रही है और मिक्स डबल में द्वितीय स्थान प्राप्त की। इसी तरह प्रतियोगिता में विजेता खिलाडियों में महिला वर्ग डबल में लक्ष्मी मांझी और डॉ. सलाखा प्रधान जगदलपुर प्रथम स्थान, कोंडागांव से आंकाक्षा, खुशी द्वितय स्थान पर रही। ओपन सिंगल्स पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान सागर किरन्दुल, द्वितीय स्थान पर फरहान सुकमा से विजेता रहे। महिला वर्ग सिंगल्स में प्रथम स्थान लक्ष्मी मांझी बीजापुर, द्वितीय स्थान पर आस्था यादव नारायणपुर से विजेता रही। ओपन डबल पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान जगदलपुर से आयुष मूर्ती और कृषकृठोफर, द्वितीय स्थान पर मनीष बघेल और युवराज देव बीजापुर से विजेता रहे। ओपन मिक्स डबल में प्रथम स्थान पर जगदलपुर से सलमान, खुशी और द्वितीय स्थान पर वैभव और लक्ष्मी जगदलपुर से विजेता रहे।

निःशुल्क हृदय रोग स्वास्थ्य जांच परामर्श शिविर आयोजन

सूरजपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर. एस. सिंह तथा वरिष्ठ विशेषज्ञ सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. एल. ध्रुव के मार्गदर्शन में 12 अगस्त को प्रात: 10 बजे से 01 बजे तक जिला स्वास्थ्य समिति सूरजपुर एवं रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में जिला चिकित्सालय सूरजपुर में नि:शुल्क हृदय रोग जांच परामर्श शिविर का आयोजन किया जाना है। जिसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जावेद परवेज ओपीडी नम्बर 05 में उपस्थित होकर परामर्श देंगे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह ने बताया कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिये इस तरह के कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, तथा डा. सिंह ने जिले के समस्त लोगों से अपील किया गया है।

खास-खबर

कांकेर में नक्सली कमांडर ने किया सरेंडर, कई वारदातों में रह शामिल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सली कमांडर ने सरेंडर किया है। छत्तीसगढ़-ओडिशा बार्डर पर सक्रिय नक्सली पर पांच लाख रुपए का इनाम भी था। यहीं नहीं नक्सली 2008 से संगठन से जुड़ा और कई वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने इसकी पुष्टि की है।

एसपी दिव्यांग पटेल ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुर्नवास नीति योजना लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इससे प्रभावित होकर नक्सली चंदन दर्रो उर्फजीवन उर्फ सागर (39) निवासी आलपरस जिला कांकेर ने समर्पण किया है। सीपीआई माओवादी संगठन अंतर्गत प्रतिबंधित माओवादी संगठन बरगढ़, बलांगीर, महासमुन्द डिवीजन अंतर्गत महासमुन्द पीपीसीएम संगठन में वर्ष 2008 से सक्रिय था। कमांडर रैंक का होने के कारण इस पर 05 लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने और पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने आत्मसमर्पित नक्सली को प्रोत्साहन राशि 25000 प्रदान की है। आत्मसमर्पित नक्सली चंदन कई बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से जुलाई 2011 में हुए बरगढ़ पहाड़ी में पुलिस नक्सली मुठभेड़, वर्ष 2012 में बरगढ़ पहाड़ी में पुलिस नक्सली मुठभेड़, जुन 2012 में महासमुंद अंतर्गत ग्राम गुमद में पुलिस नक्सली मुठभेड़ शामिल हैं। इसमें मोहन मैनपुर एरिया कमेटी कमाण्डर मारा गया। मई 2017 में बलांगीर अंतर्गत ग्राम बम्हनीदुआरा में पुलिस नक्सली मुठभेड़ में शामिल रहा है।

नाइजिरियन ठगों के झांसे में आई महिला

विदेशी पार्सल के नाम पर ठगे लाखों तीन सहयोगी यूपी से हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। ठगी के लिए कुख्यात नाइजिरियन गिरोह के सदस्यों ने कनाडा से मंहगे सामानों का पार्सल आने का झांसा देकर नगर की एक महिला से कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर 27 लाख 41 हजार रुपये की ठगी कर ली। करीब साढ़े 27 लाख रुपये गंवाने के बाद भी कुरियर नहीं मिलने पर महिला को ठगे जाने का एहसास हुआ और उसने कोतवाली थाने पहुंचकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठगी के लिए प्रयोग में लाए गए दो खाता धारकों एवं एक बिचौलिए को गिरफ्तार कर लिया है। मुख्य आरोपी अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस उनकी पड़ताल कर रही है।

एडिशन एसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि प्रार्थिया महिला ने 14 जुलाई को थाना कोतवाली पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20 जून 23 को उसके मोबाइल नंबर पर एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर कनाडा से मंहगे समानों का पार्सल आने का झांसा दिया। उसने कूरियर की डिलीवरी से पहले कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर राशि जमा कराने के लिए कहा। पीड़िता को फोन करने वाले ने कोरियर से मंहगे आईफोन, लैपटाप एवं अन्य सामान होना बताया। महिला को झांसे में लेकर कस्टम क्लीयरेंस के नाम पर 20 जून से दिनांक 13 जुलाई तक महिला ने आरोपी द्वारा बताए गए बैंक खातों में कई ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 27,41,800 रुपये भेजे। इसके बाद आरोपी ने मोबाइल बंद कर दिया तो महिला को ठगे जाने का एहसास हुआ। रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले जांच शुरू की।

ऑनलाइन ठगी के इस बड़े मामले को लेकर एसपी सुनील शर्मा के निर्देश पर एएसपी विवेक शुक्ला के साथ, एसडीओपी अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में कोतवाली एवं साइबर सेल की टीम जांच में जुट गई। पुलिस ने महिला द्वारा जिन खातों में राशि ट्रांसफर की गई थी, उनकी पड़ताल की गई तो वे दिल्ली एवं उत्तरप्रदेश के निकले। कोतवाली पुलिस टीम को दिल्ली एवं यूपी रवाना किया गया एवं खाताधारकों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई। खाताधारकों की शिनाख्त प्रमोद रस्तोगी (40) निवासी बरेली उत्तरप्रदेश, संतोष गंगवार (30) निवासी बरेली उत्तरप्रदेश एवं साकिर अली (23) कमालपुर थाना सदर कैंट, बरेली, उत्तरप्रदेश के रूप में हुई।

पुलिस ने होल्ड की तीन लाख से ज्यादा की राशि

पूछताछ में आरोपियों ने कमीशन की लालच में ठगी की घटना कारित करने हेतु विभिन्न बैंक खाते एवं सिम अन्य आरोपियों को देना स्वीकार किया। पुलिस तीनों को लेकर अंबिकापुर पहुंची और उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा जेल भेज दिया गया। एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि आरोपियों के खातों में तीन लाख 87,000 रुपये की राशि को पुलिस ने होल्ड करा दिया है और राशि को पीड़िता को वापस कराने अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अंबिकापुर राजेश सिंह, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक रजनीश सिंह की टीम सक्रिय रही। एएसपी विवेक शुक्ला ने बताया कि मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगी हुई है। नाइजिरियन गिरोह इस प्रकार की ठगी के लिए कुख्यात है। कई बार वे कुछ समय के लिए टूरिस्ट वीजा लेकर भारत आते हैं और ठगी की बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर वापस अपने देकर वापस भाग जाते हैं।

शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म, प्रेग्नेंट होने पर झोलाछाप डॉक्टर से कराया गर्भपात

■ शिकायत के बाद पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नाबालिग से दुष्कर्म व गर्भपात कराने का मामला सामने आया है। आरोपी युवक ने पहले तो नाबालिग को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। नाबालिग जब प्रेग्नेंट हुई तो अपने परिचित एक झोला छाप बंगाली डॉक्टर से उसका गर्भपात करा दिया। नाबालिग के परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के साथ झोलाछाप डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग व उसके परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में पीड़िता ने बताया कि गांव का रहने वाले युवक मोहर सिंह गौंड़ ने उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद नाबालिग ने पुलिस में शिकायत की बात कही तो उसने शादी का वादा किया। शादी का वादा करने के बाद युवक लगातार युवती से संबंध बनाता रहा। इसके कारण नाबालिग गर्भवती हो गई। इसके बाद युवक उसे लेकर बंगाली झोलाछाप डॉक्टर के पास ले गया और गर्भपात करा दिया। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी युवक के साथ ही गर्भपात करने वाले आरोपी डॉक्टर को भी गिरफ्तार कर लिया है।

सूने मकान से लाखों की चोरी, घर का ताला तोड़कर नगदी व सोना-चांदी ले भागे चोर

■ बेमेतरा का मामला, धटना के बाद पुलिस ने शुरू की जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में बड़ी चोरी की घटना हो गई है। यहां के एक सूने मकान में चोरों ने लाखों के सोने चांदी पर हाथ साफ कर दिया। पूरा परिवार बाहर गया हुआ था। सोमवार सुबह घर पहुंचे तो चोरी का पता चला। मामले में शिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेमेतरा के वार्ड 14 चांदनी चौक के पास रविवार की रात चोरी हुई। रविवार को प्रार्थी नाजर बेग अपने पुत्र को छोड़कर पूरे परिवार के साथ गंडई गया हुआ था। सोमवार को सुबह घर पहुंचे तब देखा कि उनके मेन डोर का ताला टूटा था। अंदर जाकर देखा तो कमरों में रखी अलमारी के ताले भी टूटे थे। जांच करने पर पता चला कि अलमारी से लगभग 18 तोला सोने के जेवर व ढाई किलो चांदी के जेवर सहित ढाई लाख रुपए कैश गायब है। इसके बाद नाजर बेग ने तत्काल पुलिस को सूचना पुलिस पहुंची और शिकायत की जांच के बाद अपराध दर्ज कर लिया है।

एनएच-53 पर मवेशियों के झुंड पर चढ़ी यात्री बस, 17 की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सवारी बस के चालक ने एनएच-53 पर मवेशियों के झुंड को चपेट में ले लिया। हादसे में 17 मवेशियों की मौत हो गई है। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए। इससे पहले की चालक की पिटाई होती वह बस छोड़कर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि मवेशी सड़क पर यहां वहां बैठे हुए थे और इस दौरान यह हादसा हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार सरायपाली से रायपुर की ओर जा रही बस के चालक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर कोडार काष्ठागार के सामने सड़क पर बैठे मवेशियों के एक झुंड पर वाहन चढ़ा दिया। इससे 17 मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस को छोड़ चाबी लेकर फरार हो गया। घटना की जानकारी कुछ स्थानीय लोगों ने तुमगांव पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी मनोरथ जोशी ने पहले राजमार्ग पर लग रहे वाहनों के जाम को बहाल किया। फिर मवेशियों के शव को हटाने व बस को राजमार्ग से हटाने के लिए नगर पालिका महासमुंद से जेसीबी मंगाकर शवों को हटाया। उन्होंने बताया कि घटना में कुल 17 मवेशियों की मौत हुई है।

पशु पालकों की लापरवाही का नतीजा

सड़क पर मवेशियों के जमावड़े को लेकर पशु पालकों की लापरवाही भी सामने आई है। बारिश के दिनों में गीली जगह से बचने के लिए मवेशी सड़कों पर अपना बसेरा बना लेते हैं। एनएच पर बैठे मवेशियों की धरपकड़ भी समय समय पर होती है इसके बाद भी मवेशियों का जमावड़ा थम नहीं रहा। हादसे का कारण भी यही सामने आ रहा है। बाहरहाल पुलिस ने इस मामले में बस चालक पर अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला ने चूहामार दवा खाकर जान दी, पति का दूसरी महिला से संबंध होने का था शक

■ दुर्ग के साकेत कालोनी कातुलबोर्ड का मामला, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में एक महिला ने पति के रोज-रोज के प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। महिला ने सप्ताह भर पहले चूहामार दवा का सेवन कर लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। सूचना पर मोहन नगर पुलिस ने प्राथमिकी कर मामले की जांच शुरू की है।

मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला दुर्ग के साकेत कालोनी कातुलबोर्ड का है। पुलिस ने

बताया कि साकेत कालोनी कातुलबोर्ड निवासी नेहा सिंह (29) ने एक अगस्त को चूहामार दवा का सेवन कर लिया था। उसे शक था कि उसके पति दीनानाथ सिंह का किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद भी होता रहता था। एक अगस्त को भी दोनों के बीच विवाद हुआ। जिसके बाद महिला ने चूहामार दवा का सेवन कर लिया।

जिला अस्पताल से श्रीशंकराचार्य किया गया रेफर

बेहोशी की हालत में उसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल से उसे श्री शंकराचार्य मेडिकल कालेज ले जाया गया। जहां चार अगस्त को उसकी मौत हो गई। अस्पताल से इसकी जानकारी मिलने के बाद मोहन नगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। नौ साल पहले नेहा और दीनानाथ की शादी हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। पुलिस के अनुसार मृतका का पति दीनानाथ सिंह आटो चलाता है और शराब पीने का भी आदी है। इसी वजह से भी दोनों के बीच विवाद होता था।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, भिलाई

(संपत्तिकर विभाग)

क्रमांक/चार/तीन/सं.क.वि./2023/528/241   दिनांक : 07/08/2023

//स्वामत्वि के हस्तांतरण की सूचना//

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले हितग्राही को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 में स्वत्वाधिकार के अंतरण के संबंध में निम्नलिखित हस्तांतरिती के नाम से जिसका कि नगर पालिक निगम भिलाई के संपत्तिकर अभिलेख में हस्तांतरणकर्ता के स्थान पर नाम दर्ज किया जाना है यदि किसी को इस संबंध मे कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद मे प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नही किया जावेगाः-

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1	चौहान हाउसिंग(चौहान ग्रीन वैली), अपोजिट-चौहान टाउन, खम्हरिया व जुनवानी, भिलाई प्रोपराईटर-श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत उर्फ दीपेश्वर चौहान, निवासी-राजीव नगर, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	1. श्री युगल किशोर तिवारी, आ. श्री पवन कुमार तिवारी, 2. श्री राज किशोर तिवारी, आ. श्री पवन कुमार तिवारी, निवासी-मकान नं. मैरीगोल्ड-12ए, चौहान हाउसिंग चौहान ग्रीन वैली, खम्हरिया, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	ग्रीन वैली, खम्हरिया एवं जुनवानी, वार्ड क्र. 01, अपोजिट -चौहान टाउन, खम्हरिया एवं जुनवानी, भिलाई, प्लाट नं. मेरीगोल्ड-12ए, प्लाट का क्षेत्रफल-1129.80 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
2	चौहान हाउसिंग कंपनी, जुनवानी, भिलाई, पार्टनर-श्री अजय चौहान, आ. स्व. श्री विपत (दीपेश्वर), चौहान, निवासी-राजीव नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.) से श्रीमती मनजीत सूरी, ध.प. श्री दलजीत सिंह सूरी, निवासी- मकान नं. एच.आई.जी.-168, पदमनाभपूर, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती सुषमा देशमुख, पति श्री राजेश्वर प्रसाद देशमुख, निवासी-फ्लैट नं. 01, ब्लाक नं. जी-09, चौहान टाउन फेस-II, जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी, वार्ड क्र. 02 स्मृतिनगर वार्ड के(चौहान हाउसिंग कंपनी, चौहान टाउन फेस-2 भिलाई), फ्लैट नं. 01, ब्लाक नं.-जी 9, भूतल, क्षेत्रफल-670 वर्गफीट पर आवासीय फ्लैट निर्मित।
3	श्री पवन कुमार अग्रवाल, आ. श्री परसराम अग्रवाल, निवासी-चूड़ी लाईन, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती ममता कौर, ध.प. श्री मनजीत सिंह, निवासी-मकान नं. 60, वार्ड नं. 12, सुन्दरनगर, वैशाली नगर, सुपेला, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, पुरानी बस्ती वार्ड क्र. 09,(हनुमान मंदिर से कुरूद रोड नाला तक अन्दर भाग), भिलाई, खसरा नं. 4579/66, प्लाट नं. 06, क्षेत्रफल-1144 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
4	श्री मंशाराम इरपाची, पिता-स्व. मनीलाल इरपाची, निवासी-क्वा. नं. 2/डी, स्ट्रीट नं. -01, सेक्टर-01, सेक्टर-9, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री दिलशाद खान, पिता श्री उमराव खान, निवासी-एन-400, संजय नगर, सेक्टर-23, कविनगर, गाजियाबाद, तह. व जिला-गाजियाबाद(उत्तरप्रदेश)	बिक्रीनामा	कोहका, वार्ड नं. 07, फरीदनगर कोहका वार्ड, (बजरंग नगर अंदर भाग), भिलाई, खसरा नं. 1378/12, प्लाट नं. 53, रकबा-2400 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
5	श्रीमती चंदा बाई जैन, पति श्री मूलचंद जैन, निवासी-ई.डब्लू.एस.-380, वैशाली नगर भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्रीमती बसंती बाई, पति-श्री बी.आर. लकरा, निवासी-क्वा. नं.-ई/1/4, सड़क-4, सेक्टर-3 भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	कोहका, (वार्ड नं.-10 शांतिनगर कोहका वार्ड के शांति नगर अंदर भाग) भिलाई, खसरा नं. 6498/2, प्लाट नं. 79 का भाग, रकबा-1200 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
6	मेसर्स वेद प्रकाश चोपडा एण्ड कंपनी कुरूद,भिलाई भागीदार-आलोक कुमार लुनिया, पिता-स्व.जे.के. लुनिया, निवासी-एस.एम.-31, पद्मनाभपुर, दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.) से 1. रविन्द्र कुमार साहू, पिता श्रीराम साहू, 2. कुशल साहू पिता-रविन्द्र कुमार साहू, दोनो निवासी- प्लाट नं.-206 मिलन चौक हुडको सेक्टर, बी-मार्केट, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.) से कुमारी कुशल साहू आ. श्री रविन्द्र कुमार साहू, सा.-प्लाट नं.-206 मिलन चौक हुडको सेक्टर, बी-मार्केट, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री दीपक कुमार आ. श्री बालेश्वर शुक्ला, सा.-क्वा. नं. 662, स्ट्रीट नं. -22, सेक्टर 09 सी, बोकारो, स्टील सिटी, सेक्टर आई एक्स, बोकारो(झारखंड)	बिक्रीनामा	कुरूद, कुरूद वार्ड, वार्ड नं. 16, सुंदर विहार फेस-02, अंदर भाग, भिलाई, खसरा नं. 1383/134, प्लाट नं. 43 बी, रकबा-800 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।
7	मिनी जार्ज, पति श्री राज कोचुपरम्बिल फिलिप, निवासी-एम.आई.जी. 330, न्यू बोरसी दुर्ग, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	श्री अंकुर खरे, पिता श्री प्रकाश नारायण खरे, निवासी-फ्लैट नं. 20, बिल्डिंग ई-06, चौहान टाउन जुनवानी, भिलाई, तह. व जिला-दुर्ग(छ.ग.)	बिक्रीनामा	जुनवानी वार्ड नं. 02 स्मृतिनगर वार्ड, (चौहान टाउन अन्दर भाग), भिलाई, खसरा नं. 307/5, प्लाट नं. -बी 33, क्षेत्रफल-2033.64 वर्गफीट, आवासीय भवन निर्मित।

उपायुक्त (संपत्तिकर)
नगर पालिक निगम, भिलाई

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, बालोद (छ.ग.)

निविदा क्र. 35 से 41/नि.शा./ज.जी.म/का.अ/लो.स्वा.यां. खण्ड/2023 बालोद, दिनांक 04.08.2023

ई-प्राक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र-ए में प्रतिशत दर पर नीचे उल्लेखित कार्य के लिये कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद द्वारा के एकीकृत पंजीयन व्यवस्था ई- रजिस्ट्रेशन की सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है.

कार्य का विवरण- बालोद जिले के वि.खं. डौण्डीलोहारा, गुण्डरदेही तथा बालोद के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग तथा एकल ग्राम नलजल प्रदाय का कार्य.

	नि.सू. क्र. /सिस्टम नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)
1	36/143685	विकासखंड डौण्डीलोहारा अन्नुटोला	रु. 72.52 लाख
2	37/143686	विकासखंड डौण्डीलोहारा रेंगई	रु. 72.62 लाख
3	38/143687	विकासखंड डौण्डीलोहारा अरजपुरी	रु. 181.55 लाख
4	39/143688	विकासखंड गुण्डरदेही गोरकापार (गांधी)	रु. 89.53 लाख
5	40/143689	विकासखंड गुण्डरदेही मोहलाई	रु. 86.20 लाख
6	41/143690	विकासखंड गुण्डरदेही सनौद	रु. 89.57 लाख
7	42/143691	विकासखंड बालोद चरोटा	रु. 86.61 लाख

1. बिड सबमिशन प्रारंभ की तिथि - 07.08.2023
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 21.08.2023

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 07.08.2023 से एवं कार्यालयीन समय पर कार्यालय में देखे जा सकते हैं.

जी-04048/7

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बालोद
जिला- बालोद (छ.ग.)

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ताः 93003-77572

खास - खबर

भिलाई की समाजसेवी बी पोलम्मा को इंदौर में भारतश्री सम्मान मिला

भिलाई। भिलाई नगर कैंप-1 निवासी समाजसेविका बी पोलम्मा को इंदौर में रविवार को आयोजित एक सम्मान समारोह में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवार्ड भारतश्री से नवाजा गया। इसकी पुष्टि ग्रो भारत फाउंडेशन की जूरी कमेटी ने की है। इससे पहले वे भारत भूषण सम्मान सहित 55 विभिन्न पुरस्कार ग्रहण कर चुकी हैं। बीते वर्ष 11 दिसंबर को प्रतिष्ठित एवार्ड भारत भूषण के लिए उनके नाम की घोषणा की गई थी, लेकिन यह सम्मान उन्होंने बाद में ग्रहण किया। समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट और अनुकरणीय कार्य करने वाली बी पोलम्मा को एक वर्ष के भीतर दूसरी बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्तमान में वे अध्यक्ष के तौर पर मां राजराजेश्वरी महिला स्व सहायता समूह व अन्य समितियों का कार्यभार संभाल रहीं है।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण

दुर्ग। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार फेटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 2 अगस्त से लेकर 31 अगस्त 2023 की स्थिति में पुनरीक्षण कार्यक्रम संपन्न कराया जा रहा है।विधानसभा 64 दुर्ग शहर के अंतर्गत आने वाले वार्डो में निगम के वार्डो में घूमने वाले कचरा संग्रहण वाहनों के द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से उपरोक्त तिथि अनुसार द्वितीया विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण शिविर का आवश्यक प्रचार-प्रसार /मुनादी करने के निर्देश नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने दिये। उन्होंने कहा विधानसभा निर्वाचन2023 मतदान का प्रतिशत बढ़ाने प्रचार प्रसार के माध्यम से जागरूक करें। जानकारी के मुताबिक 2 अगस्त 2023 को मतदाताओं के अवलोकन हेतु फेटोयुक्त मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन सभी मतदान केंद्रों में किया जाएगा।प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात 02 अगस्त से 31 अगस्त 2023 तक सभी मतदान केंद्रों में कार्यालयीन समय में उपस्थित रहकर अभिहित अधिकारी एवं बूथ लेबल अधिकारी द्वारा दावा-आपत्ति प्राप्त किया जाएगा।भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आम नागरिकों को अपना नाम मतदाता सूची में जोडने हेतु मतदान केंद्रों में विशेष शिविर का आयोजन 12,13,19 और 20 अगस्त 2023 को किया जाएगा। विशेष शिविर के अलावा अन्य दिनों में भी बूथ लेबल अधिकारी अपने मतदान केन्द्रों में उपस्थित रहेगें। ऐसे नागरिक जिनका नाम मतदाता सूची में किसी भी कारणवश नहीं है,वे निर्धारित तिथि में अपने -अपने मतदान केन्द्र में जाकर प्रपत्र-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।यदि किसी मतदाता का नाम, पिता, पति का नाम,पता, जन्मतिथि संशोधन एवं मतदान केंद्र स्थानांतरण करना है तो वे प्रपत्र 8 भरकर सुधरवा सकते हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सावन सोमवार पर महारुद्राभिषेक में हुए शामिल

भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज सावन सोमवार के अवसर पर भिलाई नगर के सेक्टर-7 स्थित शिवधाम तालाब में महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर उनका अभिषेक किया और प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

श्री बघेल ने इस बढ़िया आयोजन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विगत सात-आठ वर्षों से यह आयोजन किया जा रहा है, सौंदर्यीकरण के बाद तालाब का परिवेश और अधिक मनोरम हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्री भोलेनाथ हर जगह विराजे है, सर्वव्यापी हैं, भगवान शिव ने ही विवाह नाम की संस्था को स्थापित किया है। शिव सब को जोड़ने का नाम है। तंत्र के जनक शिव हैं। भगवान शिव सब की मनोकामना पूरी करें। कार्यक्रम को विधायक श्री देवेंद्र यादव और महापौर भिलाई श्री नीरज पाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री अरुण वोरा, महापौर दुर्ग श्री धीरज बाकलीवाल, पार्षद श्री लक्ष्मी पति राजू, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

निगम की सड़के हो रही है सुगम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के यातायात को सुगम बनाने तथा नागरिकों के आवागमन आसान करने के लिए नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा शहर के अंदरूनी तथा मुख्यमार्ग को जोडने वाले सड़को पर 9 करोड़ रूपये की राशि खर्च कर डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास ने निगम क्षेत्र की सड़कों को बेहतर बनाने बैठक में निर्देश दिये थे, कि प्राक्कलन तैयार विधिवत निविदा प्रक्रिया के बाद सड़को का डामरीकरण कर शहर के यातायात को और सुगम बनया जाये। इसी क्रम में निगम का लोक कर्म विभाग नेहरू नगर, के.पी.एस. चौक से सूर्या माल खम्हरिया, प्रियदर्शिनी परिसर पूर्व सुभाष चौक से दक्षिण गंगोत्री होते हुए सुपेला मुख्यमार्ग, गौरव पथ से आजाद चौक, रामनगर मुक्तिधाम मार्ग, जलेबी चौक से सुभाष चौक तक, नंदिनी रोड पावर हाउस चौक से तेल्हा नाला, बैकुण्ठधाम स्वास्थ्य कार्यालय से युगनिर्माण स्कूल के पीछे तक, मांझी चौक से गणेश चौक तक, आई.टी.आई सर्विस रोड से शिवालय एम.पी.आर. रोड होते हुए राम चौक से सर्विस रोड तक एवं हुड़को सेक्टर-09 फुटबाल मैदान से राम चौक तक इन सड़को का उन्नयन, नवीनीकरण, डामरीकरण का कार्य राशि 9 करोड़ की लागत से किया गया है। वही वर्षाऋतु के कारण वार्ड 35 किशन चौक से शीतला मंदिर चौक तक डामरीकरण कार्य तथा छावनी चौक से हथखोज पुलिया तक मार्गो के नवीनीकरण कार्य को प्रारंभ करने के बाद 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर शेष को स्थगित रखा गया है, वर्षा काल समाप्त होने पर कार्य पूर्ण किये जायेगें। वर्तमान में बारिश से हुए सड़को के गढढ़ो को भरने पेंचवर्क भी किया जा रहा है। अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी ने बताया की शहर की सड़को को आकर्षक बनाने मुख्य सड़क में केट आई एवं सफेद पटटी की लाईन उकेरी गई है। नगर के अन्य सड़को को मांग एवं आवश्यकता अनुसार उन्नयन, नवीनीकरण, डामरीकरण किये जाने का कार्य प्रक्रियाधीन है।

डेंगू मलेलिया के रोकथाम के लिए हर घर हो रहा सर्वे अब तक 33373 कूलर - टंकी की गई जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र में मच्छर के उन्मूलन के लिए अभियान चलाया जा रहा है। निगम का स्वास्थ्य अमला गली-मोहल्लों के घर घर जाकर कूलर, पानी टंकी व अन्य पात्र जिसमें बरसाती पानी भरा है, उसकी जांच कर खाली करा रहे है, ताकि मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों से आम जन को बचाया जा सके।

महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने डेंगू के रोकथाम अभियान को गंभीरता से लेकर कर अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए है। स्वास्थ्य अमला घरों में जाकर सर्दी, खांसी व बुखार से पीड़ित मरीजों को तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दे रही है। मच्छर का लार्वा के रोकथाम के लिए मैलाथियान तथा व्यस्क मच्चरों के नियंत्रण हेतु एक्वा केओथरीन, जला आयल हैण्ड स्प्रे, चूना, ब्लीचिंग का छिडकाव कर रहे है।

जलजनित बिमारी विशेष कर डेंगू, मलेरिया, पिलिया के रोकथाम के लिए नागरिकों को लाउडस्पीकर के माध्यम से जागरूकता के लिए मुनादी भी कराई जा रही है साथ ही आवश्यक उपाया का घर घर पाम्प्लेट बांटे जा रहे है।

निगम क्षेत्र में डेंगू के रोकथाम के लिए भिलाई निगम का अमला जुटा हुआ है, स्वास्थ्य विभाग के कर्मी अब तक 15985 घरों में जाकर कूलर में भरे हुए पानी, पानी टंकी, गमला व अन्य कबाड पात्र जिसमें पानी भरा हो कि जांच कर टेमिफॉस का छिड़काव कर चुके है, इसके अलावा दुकानों या किसी भी स्थान पर लार्वा पनपने के स्रोत वाले स्थानों की सघन स्तर पर जांच कर आवश्यक उपाय किया जा रहा है।

छात्रों के कौशल के लिए स्वरूपानंद, रूंगटा एमजे कॉलेज के बीच सीए ब्रांच का एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। द इंस्टीट्यूट ऑफचार्टर्ड एकाउंटेंट के सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के वाइस प्रेसीडेंट सीए रंजीत अग्रवाल अपने एक दिवसीय दौरे पर भिलाई पहुंचे। सीए भवन सिविक सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए उन्होंने सीए सदस्यों और छात्रों से विभिन्न विषयों पर बातचीत की। साथ ही नेटवर्किंग एमडीपी पर सेमीनार का भी आयोजन किया गया एवं उपस्थितजनों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

भिलाई ब्रांच की चेयरमेन सीए पायल नवीन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि सीए भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में सीए सदस्यों एवं 200 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिसमें विद्यार्थियों ने सीए रंजीत अग्रवाल से विभिन्न विषयों से जुड़े अपने प्रश्न पूछे एवं चर्चा की। बातचीत के इन अंशों को मासिक न्यूज लेटर में पब्लिश किया जायेगा। इस दौरान सीए अनुज गोयल ने ब्रांच के कार्यों की सराहना करते हुए इसे स्टार ब्रांच बताया। सीए अभय छाजेड़ ने नेटवर्किंग पर सभी उपस्थिजनों को महत्वपूर्ण जानकारी साझा की एवं सीए दयानिवास शर्मा द्वारा शिक्षा से जुड़ी नई योजनाओं की जानकारी दी। सीए किशोर बरड़िया ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के कौशल उन्नयन के लिए एमजे कॉलेज, रूंगटा कॉलेज एवं स्वामी श्री स्वरूपानंद कालेज के साथ एमओयू साइन किया गया।

द इंस्टीट्यूट ऑफचार्टर्ड एकाउंटेंट के सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल के वाइस प्रेसीडेंट सीए रंजीत अग्रवाल ने भिलाई सीए ब्रांच की सराहना करते हुए कहा कि ब्रांच काफी अनुशासित है और यहां का मैनेजमेंट भी बहुत अच्छा है। यहां का मैनेजमेंट किसी भी अन्य संस्थानों के लिए बहुत बड़ा उदाहरण हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वाइस चेयरमेन सीए राहुल बत्रा व सचिव सीए अंकेश सिन्हा सहित पूर्व चेयरमेन सीए जेएल जैन, सीए एनके टांक, सीए प्रदीप पाल, सीए पदम बरड़िया, सीए बीएम सुराना, सीए आरके कोठारी, सीए अरविंद सुराना , सीए हर्ष जैन उपस्थित थे। प्रोग्राम डायरेक्टर सीए सुरेश कोठारी के कुशल नेतृत्व में कार्यक्रम का सफल संचालन सीए मीनलअग्रवाल ने किया।

सेक्टर-6 में समूह की महिलाओं ने पौधे लगाकर उनकी सुरक्षा का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उमंग महिला समूह की सदस्यों ने सावन मास पर रविवार को फ्रेंडशिप-डे मनाते हुए पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर एक पौधा-एक संकल्प मुहिम के तहत सेक्टर-6 में समिति के प्रत्येक सदस्य ने एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

पर्यावरण मित्र मंडल के संरक्षक बालूराम वर्मा ने उन्हें नि:शुल्क पौधे उपलब्ध कराए। इस अवसर पर पूर्व पार्षद सूर्यकांत सिन्हा, पार्षद सेवन ठाकुर, उमंग समूह से नीलम सिन्हा, यास्मीन बानो, सुशीला माहेश्वरी, सरला जोशी आदि उपस्थित रहीं।

कांवड़ यात्रा में शामिल होकर सीएम पुत्र ने चढ़ाया जल

बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य भक्त हुए शामिल, पहुंचे देवबलोदा मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल ने सावन सोमवार के शुभ दिन पर एक विशाल कांवड़ यात्रा निकाली। ये यात्रा भिलाई तीन से चरोदा बस्ती के प्राचीन कुआं से होते हुए देवबलोदा के कल्चुरी कालीन शिव मंदिर तक पहुंची। यहां उन्होंने भगवान शंकर की प्रतिमा में जल चढ़ाया।

भिलाई तीन चरोदा नगर निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने बताया कि उनके द्वारा हर साल चरोदा से कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। यह यात्रा प्राचीन शिव मंदिर (देवबलोदा) तक पहुंचती है। इस बार भी यह यात्रा काफी भव्य रही। इसमें हजारों की संख्या में शिव भक्त शामिल हुए। महिलाओं की संख्या काफी अधिक रही। इस यात्रा में शामिल होने के लिए उन्होंने चैतन्य बघेल को भी आमंत्रण दिया था। चैतन्य न सिर्फ हजारों कांवडियों के साथ पैदल देवबलोदा मंदिर तक पहुंचे, बल्कि भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक भी किया। उन्होंने भगवान शंकर से जन कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा।

सावन के हर तीसरे सोमवार में निकाली जाती है कांवड़ यात्रा

महापौर निर्मल कोसरे ने बताया कि सावन माह के तीसरे सोमवार पर हर साल कांवड़ यात्रा निकाली जाती है। इस बार भी यह यात्रा पहले की तरह काफी भव्य रही। महापौर जब चैतन्य भघेल को आमंत्रित करने उनके भिलाई तीन स्थित आवास पहुंचे थे तो कांवड़ यात्रा के रूट भी बताया। तय रूट पर सोमवार को यात्रा निकाली गई और इसमें चैतन्य बघले भी शामिल हुए।

भिलाई नगर विधायक भी पहुंचे

कांवड़ यात्रा के दौरान भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और भिलाई तीन महापौर निर्मल कोसरे भी शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ उनके समर्थक भी बड़ी सख्या मौजूद रहे। सभी लोग भोले नाथ के जय-जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ते चले गए।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी में शिरोमणि पुरस्कार योजना के तहत उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्य निष्पादन के लिए पाली एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में विगत दिनों शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। आरएसएम विभाग के सहायक प्रबंधक प्रकाश तिवारी को पाली षिरोमणि एवं मास्टर ऑपरेटर एस मुखोपाध्याय, चार्जमेन कम मास्टर टेक्नीशियन सुरेश कुमार को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य अपने कार्यस्थल में नवीनता, बेहतर संसाधनों का उपयोग एवं संगठनात्मक उद्देश्यों को पूरा करने, सुरक्षा के मानक मापदण्डों के साथ विभाग में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले कर्मठ एवं सृजनशील कार्मिकों को विशेष पहचान प्रदान कर सम्मानित करना है।

समारोह में कार्मिकों को मुख्य महाप्रबंधक टी दस्तीदार द्वारा स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, उनके जीवनसाथी हेतु प्रशंसा पत्र तथा एक मिठाई का कूपन देकर सम्मानित किया गया तथा शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित होने वाले सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनके कार्य के प्रति कर्मठ योगदान की प्रशंसा की।

समारोह में महाप्रबंधक काशीनाथ मलिक, महाप्रबंधक विनय कुमार, महाप्रबंधक सुनील सोरते, महाप्रबंधक अतुल दुबे, महाप्रबंधक एस चट्टोपाध्याय एवं महाप्रबंधक एस सेनगुप्ता सहित अन्य अधिकारीगण तथा कार्मिक उपस्थित थे। पुरस्कृत कार्मिकों ने अपने उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के पुरस्कार से उनका मनोबल बढ़ा है एवं उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिली है। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वय सहायक महाप्रबंधक नरेंद्र इंगले ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी जसबीर सिंह एवं राजेश बाबु, भुवन साहू का भी योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950